वार्तालाप-631, लखनऊ, दिनांक 18.09.08
Disc.CD No.631, dated 18.09.08 at Lucknow

समयः 00.05-02.00

बाबाः हाँ, जी। जोर से बोलो।

जिज्ञासुः हिन्दुओं में देवी-देवताओं का गायन है।...

बाबाः भारत में देवी-देवताओं का गायन है। और विदेशों में, विधर्मियों में फरिश्ताओं को मानते हैं। परन्तु अभी हम विधर्मी हैं या स्वधर्मी हैं? देवी-देवता सनातन धर्म के पक्के बने हैं या विदेशियों से प्रभावित हैं? अभी भी विदेशियों से प्रभावित हैं। जो विदेशी धर्म हैं उनमें भी कुछ न कुछ अच्छाई है या नहीं है? (जिज्ञासु - है।) अच्छाई है। ज्यादा नष्टोमोहा विदेशी होते हैं या स्वदेशी होते हैं? (सभी ने कहा - विदेशी।) विदेशी नष्टोमोहा होते हैं भारतवासियों के मुकाबले। जो नष्टोमोहा उनको ही फरिश्ता कहा जाता है। फरिश्ता माने? जिनका फर्श की दुनियावालों से कोई रिश्ता नहीं होता। तो पहले फरिश्ता बनना पड़े। नष्टोमोहा बनना पड़े। ऐसी स्टेज जब पावेंगे तब बाद में देवता बनेंगे। जो फरिश्ता ही नहीं बनेंगे वो? वो देवता भी नहीं बनेंगे।

Time: 00.05-02.00
Baba: Yes, speak loudly.
Student: The deities are praised among the Hindus…..
Baba: The deities are praised in Bharat (India). And [people living in] the foreign countries and *vidharmis*[1] believe in angels. But are we now *vidharmis* or *swadharmis*? Have we become firm in the Ancient Deity Religion or are we influenced by the *videshis*? We are still influenced by the *videshis*. Is there some or the other goodness in *videshi* religions or not? (Student: There is.) There is goodness. Are the *videshis* more *nashtomohaa*[2] or are the *swadeshis* more *nashtomohaa*? (Everyone said – *Videshis*.) *Videshis* are [more] *nashtomohaa* when compared to the *Bharatwaasis* (residents of Bharat). Those who are *nashtomohaa* themselves are called angels (*farishta*). What is meant by *farishta*? The one who does not have any relationship (*rishta*) with the people of the physical world. So, first you will have to become *farishta*. You will have to become *nashtomohaa*. When you achieve such a *stage* then you will become deities later on. Those who do not at all become *farishta*, will not become deities either.

समयः 02.01-10.56

जिज्ञासुः रामवाली आत्मा भीम बनती है।

बाबाः क्या नहीं बनती?

जिज्ञासुः भीम, भीम। भीम का पार्ट।

बाबाः हाँ। राम वाली आत्मा तो दुनिया का बीज है। उसके लिए तो बोला है दुनिया की ऐसी कोई बता नहीं जो तेरे पर लागू न होती हो।

[1] Those belonging to a religion other than the Father's religion
[2] The one who has conquered all kinds of attachment

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः बाबा, पाण्डवों के बारे में बताया है ना। राम को बताया भीम का पार्ट और कृष्ण वाली आत्मा का पार्ट युधिष्ठिर।

बाबाः हाँ, जी, हाँ, जी। धर्मराज।

जिज्ञासुः धर्मराज। नकुल का पार्ट बताया बौद्ध धर्म की आत्मा का।

बाबाः ☺ जो न इस कुल का न उस कुल का। कभी भारतवासियों में मिक्स हो जाते हैं कभी विदेशियों में जाकरके मिक्स हो जाते हैं। अभी भारत के सब बड़े-बड़े सन्यासी विदेशों में जाकरके शिक्षा दे रहे हैं। न इस कुल के रहते हैं पक्के और न उस कुल के पक्के रहते हैं। उनको कहते हैं नकुल। नेवला जैसा पार्ट है। नेवला क्या करता है? सर्प को टुकड़े-टुकड़े कर देता है। ये सन्यासी जब निकलेंगे तब तुम बच्चों की विकारों पर जीत हो जावेगी। माना रावण पर जीत हो जावेगी।

Time: 02.01-10.56
Student: The soul of Ram becomes Bhima[3].
Baba: What does it not become?
Student: Bhima, Bhima. Bhima's part.
Baba: Yes. In fact, the soul of Ram is the seed of the world. It has been said for him, there is nothing in the world that is not applicable to you.
Student: Baba, it has been said about the Pandavas, isn't it? It is said for Ram that he has the *part* of Bhima and the part of the soul of Krishna is of Yudhishthir.
Baba: Yes. Yes. Dharmaraj (the Chief Justice).
Student: Dharmaraj. Nakul's part was said to be the soul belonging to Buddhism.
Baba: ☺ [Nakul means] the one who belongs neither to this clan not that clan (*kul*). Sometimes they *mix* up with the *Bharatwaasis* and sometimes they *mix* up with the *videshis*. Now all the big *sanyasis* of Bharat are going and giving teachings in foreign countries. They neither remain firm in this clan nor in that clan. They are called Nakul[4]. It is the *part* of a mongoose (*nevlaa*). What does a mongoose do? It cuts a snake into pieces. So, when these *sanyasis* come [in knowledge], you children will gain victory over the vices. It means that you will gain victory over Ravan.

जिज्ञासुः बाबा, सहदेव का पार्ट बताया है सिक्ख धर्म की आत्मा।

बाबाः तुम पूछना क्या चाहते हो? ये तो सब बताया है।

जिज्ञासुः बाबा अर्जुन कौन है?

बाबाः सब नंबरवार अर्जन करने वाले पुरुषार्थ के अर्जुन हैं। जो भी पुरुषार्थ का अर्जन करते हैं वो सब अर्जुन हैं। अव्वल नंबर जो पहले-पहले नंबर का पुरुषार्थ करता है, वो अर्जुन है। क्या पुरुषार्थ करता है? क्या पुरुषार्थ करता है? अर्जुन ने क्या पुरुषार्थ किया? भक्तिमार्ग में गायन है अर्जुन ने भगवान के प्रति अपने को अर्पण कर दिया। तो अर्पण होने वाला साकार और जिसके प्रति अर्पण हुआ वो भी? वो भी साकार। तो बौद्ध धर्म की जो आत्मा निकलती है स्वदेशी, वो अपने को ईश्वरीय रास्ते पर अर्पण कर देती है। वो भारतीय है या विदेशी?

[3] The third brother among the Pandavas in the epic Mahabharata
[4] The fourth brother among the Pandavas

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

भारतीय है। सन्यासियों में सबसे उत्तम सन्यासी है। ऐसे बड़े-बड़े सन्यासी जब निकलते हैं तो विकारों पर विजय हो जाती है। और यही पुरुषार्थ है। क्या? 5 विकारों के ऊपर विजय प्राप्त करना। तो बौद्धी धर्म की जो बीज रूप आत्मा है, आधारमूर्त आत्मा है वो जब ज्ञान को समझ लेती है साकार को पहचान लेती है, निराकार, साकार में निराकार कैसे कार्य कर रहा है, तो बुद्धि की क्षिप्रता दिन दूनी रात चौगुनी बढ़ जाती है। वो पुरुषार्थ का पक्का-पक्का अर्जन करती है।

Student: Baba, the soul belonging to the Sikh religion is said to be the one [who plays] the part of Sahdev[5].
Baba: What do you want to ask? All this certainly has been narrated.
Student: Baba, who is Arjun?
Baba: All are Arjuns who earn [the attainments of] *purushaarth* (spiritual effort) number wise[6]. All those who earn *purushaarth* are Arjuns. The one who makes *number* one *purushaarth* is Arjun. What *purushaarth* does he make? What *purushaarth* does he make? What *purushaarth* did Arjun make? It is famous in the path of *bhakti* that Arjun sacrificed himself for God. So, the one who sacrificed himself is the corporeal and the one for whom he sacrificed himself is also corporeal. So, the *swadeshi* soul belonging to Buddhism that emerges sacrifices itself on the path of God. Is it Indian or *videshi*? It is Indian. It is the best Sanyasi among the sanyasis. When such big sanyasis come [in knowledge] then victory is achieved over the vices. And this itself is the *purushaarth*. What? To gain victory over the five vices. So, when the seed form soul, the root form soul of Buddhism understands the knowledge, recognizes the corporeal one, [when they understand] how the incorporeal one is working through the corporeal one, then the sharpness of the intellect increases by leaps and bounds. They earn *purushaarth* in a true way.

बाप बुद्धिमानों की बुद्धि है। तो बौद्ध धरम की वो आत्मा भी बुद्धिमानों में इतनी श्रेष्ठ बनती है कि भक्तिमार्ग में ये सब जानते हैं कि बौद्ध धर्म में आत्मा, परमात्मा, स्वर्ग का कहीं कोई जिक्र नहीं है। फिर भी ज्ञान बड़े अव्वल नंबर का है। इतना मनन-चिंतन-मंथन अच्छा करती है। इसलिए जो पांच पाण्डव हैं, पाँचों पाण्डवों में युधिष्ठिर ब्रह्मा को धर्मराज का नाम दिया गया है, धारणाओं का राजा। भयंकर पार्ट बजाने वाला सारी दुनिया के विनाश का निमित्त बनने वाला। उससे ज्यादा कोई भयंकर पार्ट होता है? सब असुरों का विनाश करने वाला। भीम को क्या दिखाते हैं? सौ कौरवों का वध करने वाला कौन था? भीम। और कीचकों का वध करने वाला भीम दिखाते हैं। सभी हिडम्ब जैसे राक्षसों का वध करने वाला भीम को दिखाते हैं। ऐसे भयंकर कार्य करने वाला। वो भीम को दिखाया हुआ है। वो राम वाली आत्मा है। जो शंकर के रूप में पार्ट बजाती है। वो है भगवान का साकार पार्ट। फिर उस साकार पार्ट के प्रति अपने जीवन को अर्पण करने वाला स्वरूप। वो बौद्धी धरम की आत्मा निकलती है। पावरफुल आत्मा है।

[5] The youngest brother among the Pandavas
[6] More or less according to their capacity

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

The Father is the intelligence of the intelligent ones. So, that soul belonging to Buddhism also becomes so righteous among the intelligent ones that everyone knows in the path of *bhakti* that there is no mention of the soul, the Supreme Soul and heaven anywhere in Buddhism. Yet their knowledge is *number* one. They think and churn so well. This is why among the five Pandavas, Yudhishthir [i.e.] Brahma has been given the name of Dharmaraj [meaning] the king of *dhaaranaa* (virtues). Is there any *part* fearsome than that of the one who plays a fearsome *part*, the one who becomes the instrument in destroying the entire world. He destroys all the demons. What is Bhima shown to be? Who killed the hundred Kauravas[7]? Bhima. And Bhima is [also] shown to have killed the Kiichaks[8]. Bhima is also shown to have killed all the demons like Hidamb. Bhima has been shown to perform such fearsome tasks. He is the soul of Ram who plays the *part* in the form of Shankar. That is the corporeal *part* of God. Then that soul belonging to Buddhism emerges as the one who dedicates his life towards the corporeal *part*. It is a *powerful* soul.

सन्यास धर्म बौद्धी बौद्धी धर्म से निकला है। इसलिए मुरली में बोला है सन्यासी क्राइस्ट से कुछ पहले आते हैं। नहीं तो क्राइस्ट के बाद शंकराचार्य आये थे। शंकराचार्य का सन्यास धर्म बाद का है। लेकिन उनके पहले भी सन्यास धर्म बौद्धियों में चल चुका है। बौद्धियों का पतन ही तब हुआ जब प्रवृत्तिमार्ग में रहते हुए उन्होंने स्त्री-पुरुष एक साथ रहना शुरू कर दिया। नहीं तो पतन नहीं होता। (जिज्ञासु - अपनी मर्जी से उन्होंने.....।) मर्जी क्या? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) नहीं-नहीं। ये बात उन्होंने समझी नहीं। इस बात की गहराई को नहीं समझा कि द्वापरयु में देहभान इतना ज्यादा बढ़ जाता है कि स्त्री-पुरुष इकट्ठे होकरके पवित्र नहीं रह सकते। वो सभी के लिए स्थिति-परिस्थिति है। कोई एक की बात नहीं है। देवताएं तो इकट्ठे रहते थे। कोई फर्क नहीं पड़ता था।

Sanyas religion has emerged from Buddhism. This is why it has been said in the murli: the *Sanyasis* come a little before Christ. Otherwise, Shankaracharya had come after Christ. The *Sanyas* religion of Shankaracharya is of a latter period. But even before him *sanyas* religion was prevalent among the Buddhists. The decline of Buddhists started only when the men and women started living together in the household path. Otherwise they would not have degraded. (Student: They voluntarily...) Voluntarily what? (Student said something) No, no. They did not understand this topic. They did not understand the depth of this topic that the body consciousness increases so much in the Copper Age that men and women cannot lead a pure life while living together. That situation and circumstance is for everyone. It is not about any one person. The deities certainly used to live together. It did not used to make any difference to them.

समयः 11.00-11.48

जिज्ञासुः बाबा, पितर पक्ष में जो गया में ले जाते हैं इसका बेहद में क्या तात्पर्य है?

बाबाः क्या ले जाते हैं?

जिज्ञासुः पितरों को जो गया जी ले जाते हैं?

बाबाः पितर होते हैं कोई?

[7] The descendants of Kuru
[8] Villainous character in the epic Mahabharata

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः इसका तात्पर्य क्या है बेहद में?

बाबाः पितर कोई होते ही नहीं हैं। पहले ब्राह्मणों को खिलाते थे। उन ब्राह्मणों में ऐसे समझते थे कि पितरों की आत्मा प्रवेश करती है। आजकल तो ब्राह्मण भी पतित बन पड़े। और पितरों की आत्माएँ भी पतित बन पड़ीं। अभी वो प्रवेशता भी बंद हो गई है। अभी तो ऐसे ही ले जाते हैं भक्तिमार्ग की परंपरा अपनाने के लिए।

Time: 11.00-11.48
Student: Baba, people take go to Gaya[9] in the *pitar paksh*[10] . What does it mean in the unlimited?
Baba: What do they take?
Student: They take the ancestors (*pitar*) to Gaya.
Baba: Are there *pitar* (ancestors)?
Student: What does it mean in the unlimited?
Baba: There are no *pitar* at all. Earlier they used to feed the Brahmins. They used to think that the souls of the ancestors enter those Brahmins. Now-a-days the Brahmins have become sinful and the souls of ancestors have also become sinful. Now that entrance has also stopped. Now they simply go there to follow the tradition of the path of *bhakti*.

समयः 11.53-13.46

जिज्ञासुः बाबा ने कहा है.....?

बाबाः यज्ञ के आदि में जो विनाश हुआ था ब्राह्मणों की दुनिया में उसका कारण क्या था? हँ? इम्प्यूरिटी। इम्प्यूरिटी से होता है विनाश संगठन का। इम्प्यूरिटी डिसयूनिटी बना देती है। राम फेल हुआ - क्या मतलब हुआ? किस बात में फेल हुआ? प्यूरिटी में फेल हुआ तो मेन्टेलिटी ऐसी बन गई। अंत मते? सो गते। अगला जन्म होता है तो जो भी ज्ञान बाण निकलते हैं, उन ज्ञान बाणों से जो भी आसुरी आत्माएं हैं, आसुरी कार्य करने वाले उनको वो बाण बहुत तीखे लगते हैं। उनके देहभान को नष्ट करते हैं। एडवांस ज्ञान ज्यादा तीखा एडवांस के ब्राह्मणों को लगता है या बेसिक वालों को लगता है? क्यों? ज्यादा देहभान किनमें भरा हुआ है? (जिज्ञासु - बेसिक वाले) जिन्में ज्यादा देहभान भरा हुआ है उनको वो बाण बहुत तीखा काम करता है, विषैला काम करता है।

Time: 11.53-13.46
Student: Baba has said that...
Baba: What was the reason for the destruction that took place in the world of Brahmins in the beginning of the *yagya*? *Impurity*. *Impurity* leads to the destruction of gathering. *Impurity* leads to *disunity*. Ram failed; what does this mean? In which topic did he *fail*? He failed in *purity*, so such a *mentality* developed. As is the thought in the end, so is the fate. When he is born in the next birth, all the arrows of knowledge that come [from him] are experienced to be very sharp by the demonic souls, those who perform demonic tasks. They destroy their body consciousness. Do the Brahmins [in] the *advance* [knowledge] find the *advance* knowledge to be sharper or do those who follow the *basic* [knowledge] find it sharper? Why? Who has more

[9] An important place of Hindu pilgrimage in Bihar
[10] The dark fortnight of the month August-September when rites are performed in honour of deceased ancestors

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

body consciousness? (Student: Those who follow the basic knowledge.) Those arrows have a very sharp and poisonous effect on those who have more body consciousness.

समयः 13.47-18.40

जिज्ञासुः बाबा भक्तिमार्ग में जब कामदेव ने शंकर को बाण मारा, इसका क्या अर्थ है?

बाबाः अभी शंकर वाली आत्मा ऐसा पुरुषार्थ नहीं करती है कि काम देव को बाण मार दे और निर्विकारी बन जाए? अरे (जो) शिवलिंग पूजा जाता है वो शिवलिंग किसकी यादगार है? हँ? मन्दिर में, जो शिव के मन्दिर में शिवलिंग पूजा जाता है, वो लिंग यादगार किस पार्ट की है? (जिज्ञासु : साकार।) किसीकी पार्ट की यादगार है?

दूसरा जिज्ञासुः निराकार जब साकार में आता है तो निराकारी स्टेज (धारण) करता है।

बाबाः हाँ। तो निराकार की याद से वो साकार जो है वो भी निराकारी स्टेज को प्राप्त कर लेता है। शरीर होते हुए भी, इन्द्रियाँ होते हुए भी, इन्द्रियाँ योगबल से ऐसी शीतल हो जाती हैं कि पुरुषों को जो दुर्योधन-दुःशासन कहा गया है वो वृत्ति खलास हो जाती है। मार मारने वाली इन्द्रिय शीतल बन जाती है। दुख:दायी नहीं बन सकती। इसलिए कहते हैं काम दहन किया। कामदेव को भस्म कर दिया। (जिज्ञासु: बाबा, उसकी पत्नी रति जा है... ।) बता तो दिया होए हे कामो अनंग। अनंग माने? सतयुग में देवी-देवताओं को वो अंग होगा ही नहीं। जो काम की मार मारने वाला अंग है वो अंग ही नहीं होगा। लेकिन वो अंग सर्वथा नष्ट हो जावेगा क्या? सृष्टि पैदा नहीं होगी क्या? सृष्टि तो होगी परन्तु सात्विक स्टेज में होगी। आँखों में वो कामना शक्ति पैदा हो जाती है। परन्तु वो कामना शक्ति अव्यभिचारी होती है।

Time: 13.47-18.40

Student: Baba, what is the meaning of the deity of lust (*Kaam dev*) shooting an arrow at Shankar in the path of *bhakti*?

Baba: Doesn't the soul of Shankar make the *purushaarth* of shooting arrows at the *Kaam dev* and becoming vice less now? *Arey*, whose memorial is the *Shivling*[11] that is worshipped? The *Shivling* that is worshipped in the temples, in the temple of Shiva is a memorial of whose *part*? (Student: The corporeal one.) Is it a memorial of whose *part*?

Second student: When the incorporeal one comes in the corporeal one, he achieves an incorporeal stage.

Baba: Yes. So, the corporeal one also achieves the incorporeal *stage* through the remembrance of the incorporeal one. Despite being in the body, despite having *indriyaan*[12], the *indriyaan* become so calm through the power of *yog* (yogbal) that the men who have been called Duryodhan and Dushasan[13], that attitude of them disappears. The *indriya* that provokes [lust] becomes calm. It cannot cause sorrow. This is why it is said that lust (*kaam*) was burnt. The deity of lust was burnt to ashes. (Student: Baba, his wife Rati...) It has already been said that [the deity of] lust has become bodiless provoke (*hoihe kaam anang*). What is meant by *anang*? The deities will not have that part of the body at all in the Golden Age. The part of the body that provokes lust will not at all be present. But will that part of the body be completely destroyed? Will the creation not be created? Creation will certainly take place but it will be in

[11] An oblong stone representing Shiva, worshipped in the path of *bhakti*
[12] Parts of the body used to perform actions and the sense organs
[13] Villainous characters in the epic Mahabharata

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

a *sattwik* (pure) *stage*. That power of desire created in the eyes. But that power of desire is unadulterated (*avyabhicaari*).

राधा की दृष्टि कृष्ण में ही डूबती है। कृष्ण की दृष्टि? राधा में ही डूबती है। इतनी सात्विक स्टेज हो जाती है। इसलिए बोला रति की प्रार्थना पर कि कामदेव कोई न कोई रूप में रहेगा तो लेकिन अनंग रूप में होगा। अंग काम नहीं करेगा। देवताएं कोई भ्रष्ट इन्द्रियों से काम करते हैं क्या? सवाल ही पैदा नहीं होता। परन्तु कामना तो होती है। अंश मात्र कामना तो होती है। नहीं तो सृष्टि नीचे कैसे गिरती है? सतयुग में दो कलाएं कैसे कम हो जाती हैं? बिना सुख की वासना के आत्मा की शक्ति क्षीण होगी क्या? कामना तो होती है परन्तु इतनी सूक्ष्म कामना होती है कि कोई भी किसी प्रकार का दुःख नहीं हो सकता। त्रेता में पहुँच करके दो कलाएं कम होती हैं आत्मा की। तब कामना बाहुपाश तक पहुँचती है। श्रेष्ठ इन्द्रियों से नीचे उतर जाती है। फिर भी श्रेष्ठाचारी कहेंगे। (जिज्ञासु - बाहुपाश माना?) जैसे आँखों की आकर्षण शक्ति से बच्चे पैदा होते हैं वेसे ही बाहुपाश से भी, बाहु में एक-दूसरे को बाँध कर भी प्यार व्यक्त किया जाता है। उस स्नेह से भी बच्चों की पैदाइश होती है। और?

Radha exchanges gazes only with Krishna [and] Krishna exchanges gazes only with Radha. The *stage* becomes so *sattvik*. This is why on the request of Rati, he said that *Kaam dev* will certainly be present in some form, but it will be bodiless. The part of the body will not work. Do the deities act through the corrupt *indriya*? This question does not arise at all. But they do have desire. They do have a trace of desire. Otherwise, how will the world degrade? How do two celestial degrees decrease in the Golden Age? Will the power of the soul decrease without having the desire to experience pleasure? They do have desire, but the desire is so subtle that there cannot be any kind of sorrow. When the soul reaches the Silver Age, it is then that two celestial degrees of it are reduced. Then the desire reaches the level of embracing (*baahupaash*). It descends from [the level of] the righteous *indriyaan*. Still they will be called a righteous (*shreshthaacaari*). (Student: What is the meaning of *baahupaash*?) Just as the children are born through the power of attraction of the eyes, similarly, love is expressed through embrace, by embracing each other with arms. The children are born through that love as well.

समयः 18.45-21.15

जिज्ञासुः बाबा, सिंध हैदराबाद में ऐसा कौनसा साधु है जो कन्याओं को अगवा करता है? मुरली में कहा बाबा ने।

बाबाः क्या कहा?

जिज्ञासुः सिंध हैदराबाद में एक साधु ऐसा है जो कन्याओं को अगवा करता है। मुरली में बोला है बाबा ने।

बाबाः मुरली में ये बात बोली गई है कि अमेरिका के अखबार में निकल गया कि भारत में एक जौहरी है जो कहता है हमको 16000 चाहिए। अभी 400 मिली हैं। तो उसमें प्रश्न क्या है?

जिज्ञासुः ये मुरली में बोला था बाबा?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः हाँ, बोला।

जिज्ञासुः कि सिंध हैदराबाद में एक साधु है?

बाबाः सिंध हैदराबाद की नहीं।

Time: 18.45-21.15
Student: Baba, who is the sage in Sindh Hyderabad who abducts virgins? Baba said this in a murli.
Baba: What did He say?
Student: There is a sage (*saadhu*) in Sindh Hyderabad who abducts virgins. Baba has said this in a murli.
Baba: It has been mentioned in the murli that it was published in a newspaper in America that 'there is a jeweler in India who says that I want 16000 [queens]. I have got 400 so far'. So, what is the question?
Student: Baba, was this said in the murli?
Baba: Yes. It was told.
Student: [Was it said] that there is a sage in Sindh Hyderabad?
Baba: It is not about Sindh Hyderabad.

जिज्ञासुः मुरली में बोला है बाबा ने?

बाबाः हाँ, वो ही कलकत्ते का व्यक्ति जो सिंध हैदराबाद में आकर सत्संग करने लगा और वहाँ 400 इकट्ठी हो गईं। जिनके लिए मुरली में बोला है - गोपियों को भगाया, मक्खन चुराया, ये है प्रजापिता की कहानी। परन्तु नाम किसका डाल दिया? कृष्ण दादा लेखराज का नाम डाल दिया। अब उस जनम में तो वो आस पूरी नहीं हो सकी। 400 से ज्यादा हुई या 16000 हो गई? (जिज्ञासु - 400 से ज्यादा।) कितनी हो गईं? (किसी ने कहा -16000।) कहाँ हो गई 16000? (किसी ने कहा - 400।) 400 की 400 रहीं, बाद में 75 रह गईं। 75 से भी अभी कम होते-होते उनमें से पुराने जाने कितने खतम हो गए।

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, अभी कितने हैं? वर्तमान में अभी कितने हैं?

बाबाः अभी वर्तमान में कितने हैं वो तो बाद में पता चलेगा। जब 16000 होंगे तभी गायन होगा ना। गायन कोई 400 का, 800 का, 1000, 500 का गायन थोड़े ही है। गायन संपूर्ण को होता है या अधूरे का होता है? संपूर्ण का गायन होता है।

Student: Has Baba said this in the murli?
Baba: Yes, the same person from Calcutta (Kolkata) came to Sindh Hyderabad and started organizing *satsang* (spiritual gathering) and 400 women gathered there. It has been said for them in the murli: He made the Gopis (herd girls) to elope, he stole butter; all this is the story of Prajapita. But whose name has been inserted? The name of Krishna Dada Lekhraj has been inserted. Well, that desire wasn't fulfilled in that birth. Were they (virgins and mothers) more than 400 or were they 16000? (Student: More than 400.) How many were there? (Someone said: 16000.) How were there 16000? (Someone said: 400.) They remained only 400. Later on their number was reduced to 75. Now, while decreasing gradually from 75, so many of the old ones have perished.
Second student: Baba, how many are left now? How many are there at present?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: How many are there at present will be known later on. There will be the praise when there are 16000, won't it? 400, 800, 1000, 500 are not praised. Is the one who is perfect praised or is an imperfect one praised? The one who is perfect is praised.

समयः 21.16-23.45

जिज्ञासुः बाबा, 25 सितम्बर (20)01 को मुरली में आया है - अब बाप समझाते हैं बच्चे मुझे याद करो। तो खाद निकल जाएगी। (बाबाः हाँ।) यह तुम्हारे अक्षर बहुत मानेंगे। तो यहाँ पर अक्षर का क्या अर्थ हैं मुरली में?

बाबाः शब्द। ये शब्द विन्यास जो बोला कि मुझे याद करोगे तो तुम्हारी खाद निकल जाएगी। मुझे माना कौन? (जिज्ञासुः बाप।) कौन बाप? (जिज्ञासुः शिव बाप।) उसकी शिफ्त क्या? शिव तो बिन्दु का नाम है। बिन्दु को थोड़े ही निराकारी, निर्विकारी, निरहंकारी कहेंगे। अरे प्रैक्टिकल स्टेज में होगा तभी तो निराकारी, निर्विकारी, निरहंकारी कहा जाएगा। तो किसे याद करें? बिन्दु को? बिन्दु को तो सारे विधर्मी याद करते हैं। इब्राहिम, बुद्ध, क्राइस्ट किसको याद करते हैं? बिन्दु को याद करते हैं। फिर वो निराकारी, निर्विकारी, निरहंकारी बन जाते हैं? नहीं। क्यों नहीं बनते? क्योंकि वो प्रैक्टिकल स्टेज नहीं है। वो निराकार जब तक साकार में न आवे तब तक वो प्रैक्टिकल कर्म करके नहीं दिखा सकता। और दुनिया फालो भी नहीं कर सकती इसलिए बोला मुझे याद करेंगे तो खाद निकल जाएगी। मुझे माने एक है या दो-चार हैं? एक ही है। उस एक को पहचानना पड़े।

Time: 21.16-23.45

Student: Baba, it has been mentioned in a murli dated 25th September, (20)01: 'Now the Father explains: Children, remember Me. Then your impurity (*khaad*) will be removed.' (Baba: Yes.) 'Many people will believe these words (*akshar*)'. So, what is the meaning of '*akshar*' here?

Baba: Words. This sentence structure that was uttered that 'your impurity will be removed if you remember Me'; 'Me' refers to whom? (Student: The Father.) Which Father? (Student: The Father Shiva.) What is His quality? Shiva is the name of a point. A point will not be called incorporeal, without vices and egoless. *Arey*, He will be called incorporeal, without vices [and] egoless only when He is in that *stage* in practice. So, whom should we remember? The point? All the *vidharmis*[14] remember the point. Whom do Abraham, Buddha, Christ remember? They remember the point. Then do they become incorporeal, without vices and egoless? No. Why don't they become that? It is because they don't have that *stage* in practice. Until that incorporeal comes in a corporeal form, He cannot perform actions in practice and the world cannot *follow* [Him] either. This is why it was said that if you remember Me, [your] impurity will be removed. Does 'Me' refers to one [soul] or are there two-four [souls]? It is only one. We have to recognize that One.

जिज्ञासुः 'यह तुम्हारे अक्षर बहुत मानेंगे।

बाबाः हाँ, अभी नहीं मानते हैं कि वो एक कौन है क्योंकि अभी हमारे अन्दर ही संशय पैदा होता है कि एक यही है या कोई दूसरा है। रोज़ अखबारों में धू तेरे की निकलती रहती है। तो

[14] Those belonging to the religion opposite to the Father's religion

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

माया बुद्धि भरमाय देती है। निश्चय को उखाड़ देती है। बाप कितना भी ज्ञान सुनाते हैं तो भी ज्ञान का ज्ञान का असर कम होता है और जो ग्लानि का अज्ञान है उसका असर जास्ती हो जाता है।

Student: [It has been written] that many people will believe these words of yours.
Baba: Yes, they do not accept that One now because now doubts arise in our mind itself: is this one himself the One or is it someone else. His defamation is published in the newspapers every day. So, Maya misleads the intellect. It makes us lose faith. No matter how much knowledge the Father narrates, the effect of the knowledge is less and the effect of the ignorance due to defamation is more.

समयः 23.50-24.12

जिज्ञासुः जो भट्ठी नहीं किए हैं और अभी बाबा के सामने क्लास कर रहे हैं और बार-बार मना करने पर भी आ रहे हैं तो उनका ब्रॉड ड्रामा में क्या पार्ट है?

बाबाः जो बाप की श्रीमत का उल्लंघन करेंगे, उनका क्या पार्ट होगा - अच्छा पार्ट होगा या बुरा पार्ट होगा? (जिज्ञासुः बुरा।) बुरा ही पार्ट होगा।

Time: 23.50-24.12
Student: What is the part of those who haven't done *bhatti* and are now attending the class in front of Baba and come [here] despite being forbidden again and again, in the broad drama?
Baba: What will be the *part* of those who violate the Father's shrimat? Will it be a good *part* or a bad *part*? (Student: Bad.) They will certainly have a bad *part*.

समयः 24.15-25.14

जिज्ञासुः बाबा, पहले इलाहाबाद पहले प्रयागराज था। (बाबाः हाँ, जी।) अकबर ने इसका नाम बदल करके इलाहाबाद रख दिया।

बाबाः हाँ, जी। प्र माना प्रकष्ठ रूपेण। याग माने यज्ञ। जहाँ प्रकष्ठ रूप से यज्ञ हुआ। कौनसे यज्ञ की बात है? ज्ञान यज्ञ की बात है।

जिज्ञासुः प्रयागराज को त्रिपुर के राजा भी कहते है।

बाबाः हाँ, जी। जहाँ यज्ञ होगा प्रकष्ठ रूप से इतना बड़ा यज्ञ कहीं होगा ही नहीं तो सबका राजा नहीं कहा जाएगा? जैसे कम्पिला को सब तीर्थों का मान्य कहा जाता है। अब चाहे उसे सबका मान्य कह लो, माननीय कह लो और चाहे सबका राजा, राजा कह लो।

Time: 24.15-25.14
Student: Baba, Earlier, Allahabad was called Prayagraj . (Baba: Yes.) Akbar changed its name to Allahabad.
Baba: Yes. *Pra* means *prakashta ruupen* (in a special way). *Yaag* means *yagya*. The place where *yagya* was organized in a special way. It is about which *yagya*? It is about the *yagya* of knowledge.
Student: Prayagraj is also called the king of Tripur.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Yes. The place where the *yagya* is organized in a special way, if such a big *yagya* is not organized anywhere else at all, then will it not be called everybody's king? For example, Kampila is considered to be respectful among all the pilgrimage places. Now, call it respectful, call it honourable among all [the pilgrimage places] or call it the king of everyone, [it is the same].

समयः 25.17-28.10

जिज्ञासुः बाबा, अमृतवेले में एक सपना आया था हमें कि बाबा ने हमसे पूछा कि मित्र भाव की भावना से मित्र को सतयुग में कैसे ले जाओगे? इसका मतलब क्या है बाबा?

बाबाः बेहद का मित्र या लौकिक जीवन का मित्र? हँ? (जिज्ञासु - बाबा तो बेहद में ही बोलते है।) बेहद का मित्र कौन है? हँ? बेहद का मित्र कौन है? (जिज्ञासु - शिवबाबा।) शिवबाबा जाएगा स्वर्ग में?

जिज्ञासुः सतयुग में ?

Time: 25.17-28.10

Student: Baba, I had a dream at *amritvelaa* in which Baba asked me: how will you take your friend to the Golden Age with a friendly feeling? Baba, what does it mean?

Baba: Is it the unlimited friend or a friend of the *lokik* life? (Student: Baba certainly speaks in the unlimited.) Who is the unlimited friend? Who is the unlimited friend? (Student: Shivbaba.) Will Shivbaba go to heaven?

Student: In the Golden Age?

बाबाः हाँ, स्वर्ग में, सतयुग में शिवबाबा जाएगा? शिव तो जावेगा नहीं। फिर कौन जावेगा? और जो मित्र बनेगा, जो दोस्त बनेगा, वो कभी दुश्मन भी बनेगा। शिवबाबा न किसी का दोस्त बनता है न किसी का दुश्मन बनता है। कौन बनता है? हँ? जिसमें प्रवेश करता है वो दोस्त भी बनता है और दुश्मन भी बनता है तो अभी हमारा क्या है? अभी शिवबाबा से हमारा क्या संबंध है? दोस्त का, खुदादोस्त का संबंध अच्छी बात है। अभी कहाँ पड़ा हुआ है? नरक में पड़ा हुआ है या स्वर्ग में पड़ा हुआ है? तुम्हारा दोस्त अभी कहाँ पड़ा हुआ है? बोलो। (जिज्ञासुः नरक में।) अभी नरक में पड़ा हुआ है। तो शुभ भावना रखोगे तो ले जाओगे।

Baba: Yes, will Shivbaba go to heaven, the Golden Age? Shiva will certainly not go. Then who will go? And the one, who becomes a friend, will also become an enemy one day. Shivbaba neither becomes anybody's friend nor becomes anybody's enemy. Who becomes this? The one in whom He enters becomes a friend as well as an enemy. So, what is He for us now? What is our relationship with Shivbaba now? [We have] the relationship of a friend, of God, like friend (*Khudadost*); it is a good thing. Where is He now? Is he in a hell now or in heaven? Where is your friend now? Speak up. (Student: In the hell.) He is lying in the hell now. So, if you have a good feeling [for Him], you will take him [to heaven along with you].

इसलिए भक्तिमार्ग में जब सूर्यग्रहण लगता है तो जो घाट के भंगी लोग होते हैं वो क्या आवाज़ लगाते हैं? दे दान तो छूटे ग्रहण। शुभ भावना, शुभ कामना नहीं होगी तो ग्रहण कैसे छूटेगा? अब ये वास्तव में ज्ञान की बात है या अज्ञान की बात है? क्या? सूर्य को ग्रहण

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

लगता है कि नहीं लगता है? सूर्य को तो ग्रहण लगता ही नहीं। किसको लगता है? सूर्य तो स्वयं प्रकाशित है। उसको ज्ञान का प्रकाश देने वाला कोई साकार मनुष्य दूसरा नहीं है। वो तो स्वयं ही विश्व कल्याणकारी आत्मा है।

This is why in the path of bhakti, when there is a solar eclipse (*surya grahan*), what do the *bhangis*[15] at the river banks cry? *De daan to chuute grahan* (you will be relieved of the ill-effects of the eclipse if you give donation). If you don't have good feelings and good desires, how will the ill effects of eclipse be removed? Well, is it about knowledge or about ignorance in reality? What? Is the Sun eclipsed or not? The Sun is not at all eclipsed. Who is eclipsed? In fact, the Sun is self-illuminated. There is no other corporeal human being who gives Him the light of knowledge. So, He himself is a world benevolent soul.

समयः 28.12-28.50

जिज्ञासुः भक्ति मार्ग में गणेशजी की प्रथम पूजा क्यों होती है?

बाबाः गणेशजी ने पहला-पहला कोई काम ऐसा किया होगा जो दूसरों की बुद्धि में नहीं आया। उन्होंने अपने माँ-बाप की पहले परिक्रमा कर ली। और विश्व की परिक्रमा हो गई, माना सारा विश्व किसमें समाया हुआ है? (सभी ने कहा - माँ-बाप।) माँ-बाप में ही समाया हुआ है। इसलिए उनकी पहले-पहले पूजा होती है।

Time: 28.12-28.50

Student: Why is Ganeshji worshipped first in the path of *bhakti*?

Baba: Ganeshji[16] must have performed such task first of all that did not come in the intellect of others. He circumambulated his parents first and completed the circumambulation (*parikrama*) of the world. It means, in whom is the entire world contained? (Everyone said - Parents.) It is contained in the parents themselves. This is why he is worshipped before anyone else.

समयः 29.00-32.13

जिज्ञासुः बाबा, माताएं अगर अभी पवित्र रहती हैं तो किस माला में आती हैं?

बाबाः किस माता में आती हैं?

जिज्ञासुः नहीं, किस माला में गिनी जाती हैं?

बाबाः जो भी देवियाँ हैं वो माताएं मानी जाती हैं या कन्याएं मानी जाती हैं? लक्ष्मी-माता, जगदम्बा माता, इनको क्या कहते हैं? माता ही तो कहते हैं। और ये ज्यादा योग लगाती हैं, ज्यादा पवित्र रहती हैं या कम पवित्र रहती हैं?

जिज्ञासुः जो अधिक पवित्र रहती हैं वो किस माला में आती है?

बाबाः अरे?

Time: 29.00-32.13

[15] sweepers
[16] Son of Shankar and Parvati; an elephant faced deity

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: Baba, if the mothers remain pure now, in which rosary (*maalaa*) will they be included?
Baba: In which mother (*mata*) are they included?
Student: No, in the rosary are they included?
Baba: Are all the *devis* (female deities) considered to be mothers or virgins? Mother Lakshmi, Mother Jagdamba; what are they called? They are called mothers only. And do they have more *yog* (remembrance), do they lead a purer life or do they lead a less pure life?
Student: Those who remain more pure, in which rosary are they included?
Baba: *Arey*?

जिज्ञासुः रुद्रमाला में कि वैजयंती माला में?
बाबाः रुद्रमाला जो है वो राजाओं की माला है या रानियों की माला है? राजाएं जन्म-जन्मांतर ज्यादा पवित्र रहे हैं या भारत की रानियाँ ज्यादा पवित्र रही हैं? हँ? रानियाँ ज्यादा पवित्र रही हैं। तो जो रानियाँ जिनमें जन्म-जन्मान्तर के प्यूरिटी के संस्कार हैं वो संगमयुग में वो प्योरिटी के संस्कार प्रत्यक्ष होंगे या नहीं होंगे?
अरे, रास्ता दे दो। पीछे निकल जाएं। बैठो मत, पीछे जाओ।

Student: Is it in the *Rudramaalaa* or the *Vaijanti maalaa*?
Baba: Is the *Rudramaalaa* a rosary of kings or a rosary of queens? Have the kings been purer for many births or have the queens of India been purer? Queens have been purer. So, the queens, who have *sanskaars* of *purity* for many births, will those *sanskaars* of purity be revealed in the Confluence Age or not?
(To a student:) *Arey*, give him the way so that he goes backside. Do not sit; go to the back side.

हाँ, जी। जिन रानियों में जन्म-जन्मान्तर के पवित्रता के संस्कार रहे हैं वो संगमयुग में पहले पवित्र बनेंगी या कोई दूसरी पवित्र बन जावेंगी? वो ही पहले पवित्र बनेंगी। इसलिए रुद्र माला जो है वो पवित्र पने की माला नहीं है। वो ज्ञानी तू आत्माओं की माला है। (जिज्ञासुः ज्ञान लेते हुए भी पवित्र रहे तो...) ज्ञान लेने वाले, देने वाले सब पवित्र नहीं होते हैं। क्या? वो विद्वान, पंडित, आचार्य हो सकते हैं। लेकिन पवित्र उनमें से वो ही होंगे जो ज्ञान को गहराई तक उतार लेंगे। माने ज्ञान को प्रैक्टिकल जीवन में योग के द्वारा उतार लेंगे। जैसे शंकर और उनके ग्यारह रुद्र गण। उनकी यादगार द्वादश ज्योतिर्लिंगम बनती है। लेकिन वो माताओं के रुप में नहीं पूजे जाते। क्या? जो माताएं हैं वो लक्ष्मी माता है, जगदम्बा माता है, काली माता है, सरस्वती माता है। ये सब क्या हैं? माता ही तो हैं। जरूर उन्होंने ज्यादा पवित्रता को धारण किया होगा।

Yes. Will the queens, who have had *sanskaars* of purity for many births become pure in the Confluence Age first or will anyone else, become pure [first]? They alone will become pure first. This is why the *Rudramaalaa* is not a rosary of purity. It is a rosary of knowledgeable souls. (Student: If someone takes the knowledge as well as remain pure…) All those who obtain knowledge, all those who give knowledge are not pure. What? They can be scholars, pandits and teachers; but from among them only those who assimilate the knowledge deeply [in them] will be pure. It means that they will inculcate the knowledge in their life in practice

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

through *yog*. For example, Shankar and his eleven *Rudragan*[17]. Their memorial is built in the form of *dwadash jyotirling* (twelve *lings*[18] of light). But they are not worshipped in the form of mothers. What? As regards the mothers, there are mother Lakshmi, mother Jagdamba, mother Kali, mother Saraswati. What are all of them? They are indeed mothers. Definitely, they will have assimilated more purity.

समयः 32.16-33.35

जिज्ञासुः बाबा, लक्ष्मी-नारायण में नीचे हेडिंग दिया है सतयुगी विश्व महाराजन श्री नारायण। और नीचे वाली हेडिंग में दिया हुआ है स्वयंवर पूर्व महाराजकुमार श्री कृष्ण। तो ये स्वयंवर पूर्व का क्या मतलब हुआ बाबा कि पहले हुआ या बाद में?

बाबाः महाराजकुमार। जब कहा गया महाराजकुमार तो किसका कुमार है? कोई महाराजा कृष्ण से पहले ही हो चुका है। तब तो महाराजकुमार कहा गया। तो जो पहले महाराजा हो चुका है वो कौनसे युग का है? वो संगमयुग का है। उसका कुमार है कृष्ण। तो जो भी संगमयुग है वो संगमयुग में सत्य का फाउण्डेशन सौ परसेन्ट पड़ता है या नहीं पड़ता है? पड़ता है। इसलिए ऊपर जो लक्ष्मी-नारायण हैं उनके लिए बोला गया है।

जिज्ञासुः बाबा स्वयंवर पूर्व क्यों लिखा है?

बाबाः स्वयंवर पूर्व राधा-कृष्ण के लिए बोला है।

जिज्ञासुः पूर्व का मतलब?

बाबाः सतयुग में। हाँ, जी।

Time: 32.16-33.35

Student: Baba, in [the picture of] Lakshmi-Narayan, a heading has been given below: Golden Age world emperor (*vishwa maharajan*) Shri Narayan. And in the heading below that it has been mentioned: 'Crown Prince (*maharajkumar*) Shri Krishna before marriage'. So, Baba what is meant by 'before marriage'? Is he [*maharajkumar*] before or after [marriage]?

Baba: *Maharajkumar*. When he is called *Maharajkumar*, then whose *kumar* (son) is he? There has been a Maharaja (emperor) before Krishna. That is why he was called *Maharajkumar* (son of a Maharaja). So, the Maharaja who existed in the past belongs to which Age? He belongs to the Confluence Age. Krishna is his *kumar* (son). So, is the hundred *percent foundation* of truth laid in the Confluence Age or not? It is laid. This is why it has been said for the Lakshmi and Narayan who have been depicted above.

Student: Baba, why has it been written: 'before marriage' (*swayamwar poorva*)?

Baba: *'Swayamvar poorva'* has been said for Radha and Krishna.

Student: What is meant by '*poorva*'?

Baba: In the Golden Age. Yes.

समयः 33.37-36.58

जिज्ञासुः बाबा।

बाबाः हाथ उठाओ। हाँ जी।

[17] Followers of Rudra
[18] Oblong shape

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः बाबा माउंट आबू को मुरली में तीर्थ स्थान बोला है।
बाबाः तीर्थ कहते हैं - तीर माने किनारा। और थ माने स्थान। एक किनारे, एक ठिकाने लगाने वाला स्थान। अभी दुनिया को ऐसा तीर्थ दिखाई नहीं पड़ता है जो सबकी बुद्धि को एक ठिकाने लगा दे। लेकिन आगे चलकरके ऐसा टाईम आने वाला है जिसके लिए बाबा ने बोला है तुम बच्चे परमधाम को इस सृष्टि पर उतार लेंगे। तो इस सृष्टि पर निराकारी स्टेज वाला परमधाम संगठित रूप में कौनसी जगह उतारा जाएगा? माउंट आबू। वो ही तपस्या भूमि है। जब वो माउंट आबू साकारी दुनिया का परमधाम साबित हो जाएगा सारी दुनिया के सामने तो सबकी बुद्धि कहाँ खिंचेगी? माउंट आबू की तरफ खिंचेगी। तो सारी दुनिया के मनुष्यों को कहाँ ठिकाना मिला? माउंट आबू में ठिकाना मिला। वो ठिकाना ही ठ माना स्थान है। तीर माना किनारा है। सारी दुनिया के जो भी मनुष्य मात्र हैं सबकी बुद्धि को एक ठिकाना मिल जाता है। किनारा मिल जाता है।

Time: 33.37-36.58
Student: Baba.
Baba: Raise your hand. Yes.
Student: Baba, Mount Abu has been mentioned as a pilgrimage place (*tiirth*) in the murli.
Baba: *Tiirth* means, *tiir* means shore (*kinaaraa*) and *tha* means place (*sthaan*); the place which takes you to a shore, a destination. Now the world is unable to see a *tiirth* (pilgrimage place) which could take the intellect of everyone to a destination. But a time is going to come in future for which Baba has said: you children will bring the Supreme Abode down to this world. So, at which place will the Supreme Abode in the form of a gathering of [those with] an incorporeal *stage* be brought down in this world? Mount Abu. That itself is the land of *tapasyaa* (intense meditation). When that Mount Abu is proved to be the Supreme Abode of the corporeal world in front of the entire world, where will the intellect of everyone be pulled? It will be pulled towards Mount Abu. So, where did all the people of the entire world get accommodation? They got it in Mount Abu. That destination itself is *'tha'* meaning place, *tiir* means shore. The intellect of every human being of the entire world finds a destination, a shore.

सारी दुनिया विषय सागर है और उस विषय सागर का किनारा है वो। विषय वैतरणी नदी कहो, सागर कहो, सबकी बुद्धि का ठिकाना वहाँ लगेगा। पहुँच पाएं या न पहुँच पाएं, लेकिन बुद्धि का ठिकाना सबका वो ही होगा। इसलिए दुनिया का बड़े ते बड़ा तीर्थ कहा गया है। मुसलमान धरम की आत्माएं हों, क्रिश्चियन धर्म की आत्माएं हों, वो अपने अरब देश में मक्का मदीना को नहीं तीर्थ स्थान मानेंगी, उस समय जब ज्ञान बुद्धि में बैठ जावेगा। बड़े ते बड़ा तीर्थ किसको मानेंगी? माउंट आबू को मानेंगी। और हर जगह दुनिया में विनाश बरपा हो रहा होगा। एक ही स्थान सेफ रहेगा। जहाँ याद के बल से माया का असर नहीं हो सकेगा। न माया का असर होगा न प्रकृति का असर हो सकेगा। न माया का असर होगा न प्रकृति का असर होगा। सारी दुनिया में प्रकृति भूकम्प लाएगी। लेकिन वो भूकम्प का असर माउंट आबू में नहीं होगा।

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

The entire world is an ocean of vices and it is the shore of that ocean of vices. Call it a river of vices, call it an ocean [of vices], the intellect of everyone will find a destination there. Whether they are able to reach there or not, but the destination for everyone's **intellect** will be that alone. This is why it has been called the biggest pilgrimage place of the world. Whether they are souls of the Muslim religion, Christianity, they will not consider Mecca-Medina to be the pilgrimage center in their Arab country at that time, when the knowledge sis in their intellects. Which place will they accept as the biggest pilgrimage center? They will accept Mount Abu. And the destruction will be taking place everywhere in the world. Only one place will remain safe where Maya will not be able to cast its effect due to the power of remembrance. Neither will there be an effect of Maya nor of nature. Nature will bring about earthquakes in the entire world. But the effect of those earthquakes will not be experienced in Mount Abu.

समयः 37.02-40.02

जिज्ञासुः बाबा, प्रयाग में भारद्वाज मुनि का आश्रम है। (बाबाः हाँ, जी।) वहाँ पर सप्त ऋषि तप में बैठे हुए हैं। सप्त ऋषि - कश्यप, अत्रि, भारद्वाज, विश्वामित्र, गौतम, जमदग्नि और वशिष्ठ। सभी तपस्या में बैठे दिखाते हैं ना। (बाबाः हाँ, जी।) इसका अर्थ क्या हुआ? क्या वो तपस्या एकसाथ करते है वहाँ पर?

बाबाः ब्राह्मणों की दुनिया का प्रयाग कहाँ है जहाँ प्रकष्ठ यज्ञ हुआ, ज्ञान यज्ञ? कौनसा है? (जिज्ञासुः कम्पिल।) तो जो प्रकष्ठ यज्ञ का स्थान है वहाँ जो भी ऋषि मुनि हैं वो सब इकट्ठे होते हैं। वहीं से ज्ञान अर्जन करते हैं। जो सप्त ऋषि मुख्य माने जाते हैं।

जिज्ञासुः भारद्वाज मुनि के गुरु याज्ञवलक। रामायण की कथा सुनाई उनको। उसको लिपिबद्ध किया तुलसीदास ने। लिपिबद्ध किया रामायण को तुलसीदास ने।

बाबाः याज्ञवल्क ने?

जिज्ञासुः याज्ञवल्क ने सुनाई भारद्वाज को।

Time: 37.02-40.02

Student: Baba, there is an *ashram* (hermitage) of sage Bhardwaj in Prayag[19]. (Baba: Yes.) Seven sages are sitting there in *tapasyaa.* The seven sages: Kashyap, Atri, Bhardwaj, Vishwamitra, Gautam, Jamdagni and Vashishtha, all of them are shown to be sitting in *tapasyaa*, aren't they? (Baba: Yes.) What is its meaning? Do they together to perform *tapasyaa* there?

Baba: Where is the Prayag of the world of Brahmins, [the place] where the excellent form (*prakasht*) of *yagya*, the *gyaan yagya* was organized? Where is it? (Student: Kampil.) So, all the sages and saints gather at the place of the excellent form of *yagya*. They i.e. those who are considered to be the seven main sages earn knowledge from there itself.

Student: Guru Yagyavalka of sage Bhardwaj narrated the story of Ramayana to him and Tulsidas wrote it. Tulsidas wrote the Ramayana.

Baba: Yagyavalka?

Student: Yagyavalka narrated it to Bharadwaj.

[19] A pilgrimage place especially that at the confluence of the Ganges and Yamuna at Allahabad

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः वाल्मीकि ने सुनाई पहले-पहले रामायण की कथा या याज्ञवल्क ने? (जिज्ञासु - याज्ञवल्क ने.....।) किसको सुनाई? (जिज्ञासु - भारद्वाज मुनि।) और भारद्वाज मुनि ने? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) जो द्वापरयुग में आज से 200 साल पहले वाल्मीकि हुए हैं वो ही वाल्मीकि वाली आत्मा जो वाल्मीक रामायण लिखती है संस्कृत में वो ही कलियुग में आकरके तुलसीदास बनते हैं। और अपनी जीवन कहानी लिखते हैं क्योंकि मुरली में बोला है शास्त्रों में अपनी-अपनी कथा-कहानियाँ लिख दी हैं। इसका मतलब रामायण किसने लिखी? (जिज्ञासु - राम वाली आत्मा ने।) राम वाली आत्मा ने। कलियुग में राम वाली आत्मा ने लिखी। और द्वापर में वाल्मीकि वाली आत्मा ने लिखी। हैं दोनों एक ही आत्मा।

जिज्ञासुः याज्ञवल्क कौनसी आत्मा हुई बाबा? भरद्वाज मुति तो प्रयाग में...

बाबाः अरे भारद्वाज और याज्ञवल्क कलियुग में कहाँ से आ गए? तुलसीदास तो 500 साल पहले हुए हैं। ये जो ऋषियों, मुनियों के नाम हैं, सप्तऋषि के नाम हैं वो कहाँ की यादगार है? संगमयुग के नाम हैं। वो पुराणपंथियों में वो नाम दिये हुए हैं। वो कोई द्वापरयुग की बात थोड़ेही है?

Baba: Did Valmiki narrate the story of Ramayana first of all or did Yagyavalka narrate it? (Student: Yagyavalka….) Whom did he narrate? (Student: Sage Bhardwaj.) And sage Bhardwaj? (Student said something.) Valmiki existed 2000 years ago in the Copper Age. The same soul of Valmiki who writes 'the Valmik Ramayana' in Sanskrit becomes Tulsidas in the Iron Age and writes his life story because it has been said in the murli that people have written their own stories in the scriptures. It means, who wrote Ramayan? (Student: The soul of Ram) The soul of Ram. The soul of Ram wrote it in the Iron Age and in the Copper Age the soul of Valmiki wrote it. Both are the same soul.

Student: Baba, who is the soul of Yagyavalka? Sage Bharadwaj in Prayag…

Baba: *Arey,* where did Bhardwaj and Yagyavalka come in the Iron Age? Tulsidas existed 500 years ago. The names of these sages and saints, the seven sages are a memorial of which place? They are names [given to them] in the Confluence Age. Those are old-fashioned names. That is not about the Copper Age.

समयः 40.10-41.15

जिज्ञासुः बाबा, लक्ष्मी के साथ-साथ हाथी की पूजा दिखाते हैं?

बाबाः हाँ, हाथी किस बात की यादगार है? जिन्होंने महारथी बनकरके पुरुषार्थ किया है। श्रेष्ठ पुरुषार्थी हैं। घोड़ेसवार, पैदल पुरुषार्थी नहीं हैं। हाथी के समान दिग्गज पुरुषार्थ करने वाले। ऐसे पुरुषार्थी आत्माओं ने जो ज्ञान अर्जन किया है उस ज्ञान अर्जन को, ज्ञान जल को लक्ष्मी के ऊपर अर्पण करते हैं। इसलिए भक्तिमार्ग में दायें बायें दो हाथी दिखाते हैं, जो लक्ष्मी के ऊपर ज्ञान जल की बरसात करते रहते हैं।

Time: 40.10-41.15

Student: Baba, why are elephants shown to be worshipped along with Lakshmi?

Baba: Yes, elephant is a memorial of what? Those who have made *purushaarth* (spiritual effort) like a *mahaarathi* (a great warrior); they are elevated *purushaarthi* (those who make

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

spiritual effort). They are not the ones who make *pururshaarth* like *ghoresawaar* (horse riders), or foot soldiers (*paidal*). They make highest *purushaarth* like an elephant. The knowledge that such *purushaarthi* souls have acquired, they pour the knowledge that they have acquired, the water of knowledge on Lakshmi. This is why in the path of *bhakti*, two elephants are shown, one on the right side and one on the left side who keep showering the water of knowledge on Lakshmi.

समयः 41.21-43.24

जिज्ञासुः बाबा गीतापाठशाला में ब्रह्मा भोजन होता है तो जाना चाहिए?

बाबाः बाप आते हैं तो गरीबनिवाज़ बनकरके आते हैं या रईसनिवाज़ बनकरके आते हैं? (जिज्ञासु - गरीबनिवाज़।) गरीबनिवाज़। और गरीबनिवाज़ बाप की यादगार कहाँ है? जगन्नाथ मन्दिर। वो जो जगन्नाथ मन्दिर में भोग लगाया जाता है वो खिचड़ी का भोग लगाया जाता है। जो जल्दी तैयार हो जाती है। खाने में भी ज्यादा टाइम नहीं देना पड़ता। और पचाने में भी ज्यादा टाइम नहीं देना पड़ता। इसलिए ब्रह्मा भोजन बनाने के लिए मना नहीं है। दूर-दूर से कोई आते हैं तो उनको भूखा थोड़ेही भेज देना है। लेकिन घण्टे, दो घण्टे, तीन घण्टे की दूरी से आते हैं तो ऐसे तो रोज़ ही आदमी अपने आफिस में जाता है। नौ बजे खाना खाके जाता है और शाम को छह-सात बजे फिर आके घर में खाना खाता है। उसमें धामा खाने और बनाने को और लोड डालने की दरकार ही नहीं है। बाकी जो दूर से आते हैं उसको पूछना चाहिए। बाकी भांति-भांति के व्यंजन बनाना, खीर-पूड़ी बनाना, ये कोई गरीबनिवाज़ बच्चों की तो बात नहीं है। ये तो टेन्डेन्सी बढ़ाना है धामा खाने की और धामा खिलाने की। धामा खाने वाले ब्राह्मण बनना है और दूसरों को बनाना है। ☺

Time: 41.21-43.24

Student: Baba, should we go if Brahma *bhojan* (food eaten or cooked in remembrance) is organized at the *Gita pathshaalaa*?

Baba: When the Father comes, does He come as a *Garibniwaaz* (friend of the poor) or as a *raeesniwaaz* (friend of the rich)? (Student: *Garibniwaaz*.) *Garibniwaz*. And where is the memorial of the *Garibniwaz* Father? Jagannath temple[20]. So, the *bhog* (food) that is offered at the temple of Jagannath is a *bhog* of *khichri*[21] which gets ready soon. You need not give more *time* to eat it and you need not give more *time* to digest it either. This is why you are not forbidden to prepare *Brahma bhojan*. If someone comes from far off places, they should not be sent back hungry. But if someone comes from a distance of an hour, two hours or three hours then… a person goes to his *office* everyday in a way. He goes after having meals at 9 AM and eats at home again after returning at 6-7 PM. There is no need at all to arrange and have feast and put *load* [on the organizers]. As regards those who come from far off places should be offered [food]. As regards preparing a variety of delicacies, to prepare *khiir-puri*[22], this is certainly not about the *Garibniwaaz* children. This is like raising the *tendency* of having and arranging feasts, [of] becoming the Brahmins and making others the Brahmins who have feasts.

[20] A temple in Puri, Orissa
[21] A dish of rice and pulses boiled together
[22] *khiir:* dish of rice boiled in milk, with sugar; *puri:* a small round cake of unleavened wheat flour, deep-fried in *ghi* or oil

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

समयः 44.02-45.20

जिज्ञासुः बाबा, प्रयाग में, एक शंकर की मूर्ति के मुँह में प्रसाद लगा था, वो बिल्ली आकर उसके पैर के उपर चढ़कर वो प्रसाद चाट गयी सारा । ☺

बाबाः प्रसाद किसे कहा जाता है? प्रसाद माना क्या? ब्राह्मणों की भाषा में उसे कहते हैं टोली। क्या? वो कृष्ण के मुँह में मक्खन देने वाली बात है। वो ही शंकर के मुँह में प्रसाद रखने वाली बात है। लेकिन उस प्रसाद को, जो सारी दुनिया प्रसन्न हो जाए, ऐसे प्रसाद की वृद्धि माया नहीं होने देती है। क्या? जब प्रसाद की वृद्धि ही नहीं होगी तो क्या कहेंगे? कौन चाट गया? माया बिल्ली चाट गई। अभी चाट रही है।

Time: 44.02-45.20

Student: Baba, at Prayag, some food was stuck to the idol of Shankar and a cat came, climbed on the legs [of the idol of Shankar] and licked all that food. ☺

Baba: What is called *prasaad*? What is meant by *prasaad*? In the language of the Brahmins it is called *toli*. What? Putting butter (*makkhan*) in the mouth of Krishna is the same as putting *prasaad*[23] in the mouth of Shankar. But Maya doesn't let that *prasaad*, which makes the entire world *prasann* (happy), increase [in amount]. What? When there is no increase in *prasaad* then what will be said? Who licked it away? Maya, the cat licked it away. She is licking it now.

समयः 45.27-48.05

जिज्ञासुः बाबा, जहाँ इस समय आनन्द भवन है, वहाँ से पहले गंगा बहती थी।

बाबाः हाँ, जी।

जिज्ञासुः अकबर ने आकरके बक्शी बाँध बनवा दिया। वहाँ से सात कि.मी. की दूरी पे... वहाँ पे भारद्वाज मुनि का आश्रम है। रामायण में दिखाया हुआ है। भारद्वाज मुनि बसे प्रयागा मिले राम अति अनुरागा। तो अभी गंगा उल्टा रास्ता पकड़ेगी।

बाबाः ठीक है। गंगा कहाँ से भी बहे, लेकिन जब गंगा, यमुना और सरस्वती, तीनों नदियों का जहाँ मेल होता है, तीनों के संस्कार मिलकरके एक हो जाते हैं, तब ही प्रयाग कहा जाता है।

Time: 45.27-48.05

Student: Baba, Ganga (the river Ganges) used to flow at the place where Anand *Bhawan* is located at present.

Baba: Yes.

Student: Akbar came and built Bakshi dam there. At a distance of seven kilometers …there is an *ashram* of sage Bhardwaj. It has been shown in the Ramayana. *Bhardwaj muni base prayaga, mile Ram bahut anuraga* (sage Bhardawaj lived in Prayag and Ram met him very affectionately). So, now, Ganges will flow on the opposite path.

Baba: Alright, the Ganges may flow from any place, but the place where all the three rivers, i.e. Ganga, Yamuna and Saraswati meet, when the *sanskaars* of all the three meet to become one, it is called Prayag.

[23] Food offered to an idol

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः बताते है बाबा पहले कि वहाँ पर टापू था जहाँ ऋषि मुनि तपस्या करते थे।
बाबाः ये सब शास्त्रों की बातें कहाँ भूसा भरे पड़े हो ।
दूसरा जिज्ञासुः जाके प्रिय न राम वैदेही... जब-2 परम स्नेही।
बाबाः परम स्नेही। कहाँ भारद्वाज और कहाँ ये। (जिज्ञासु: बाबा, वहाँ पुजारी से पूछकर पूरा आए थे।) पुजारी भक्ति की बात बताएंगे या ज्ञान की बात बताएंगे? वो तो भक्ति की ही बातें बताएंगे। अगर मनन-चिंतन-मंथन करना है तो मुरली की बातों का करना है। अव्यक्त वाणी की बातों का मनन-चिंतन-मंथन करना है और, और अगर गहराई में जाना है तो बाप का टीचर स्वरूप का जो क्लेरिफिकेशन है उसकी गहराई में जाना है। इसके अलावा और जितनी भी कैसटें तैयार हो रही हैं, जितना भी लिट्रेचर तैयार हो रहा है, जितने भी शास्त्र हैं और जितने भी शास्त्रों को सुनने वाले पुजारी, पण्डित, विद्वान, आचार्य हैं वो सब माथा खराब करने वाले हैं या माथा को सालिम बनाएंगे? (दूसरा जिज्ञासु: बाबा, ये टैली ही नहीं किए है। अगर टैली किए होते तो आपसे पूछते ही नहीं। आपने पहले ही ज्ञान दे चुके है सब। टैली किए ही नहीं है वो ।) पुजारी के पास पहुँच गए। ☺

Student: Baba, it is said that earlier there was an island there and sages and saints used to perform *tapasyaa* (intense meditation) there.
Baba: Why have you filled your mind with the husk of the topics of scriptures?
Another student: *Jaakey priya ram vaidehi….param snehi*.
Baba: *Param snehi* (most beloved). What a difference there is between Bhardwaj and this one (Ram)! (Student: Baba, I had asked this to the priest.) Will the priests (*pujari*) narrate the topics of *bhakti* (devotion) or the topics of knowledge? They will narrate only the topics of *bhakti*. If you wish to think and churn, you should do it for the topics of murli. You should think and churn over the topics of *avyakt vani*. And if you want to go into the depths, then you should go in the depths of clarifications given through the form of the *Teacher* of the Father. Apart from this, will all other cassettes that are being prepared, the *literature* that is being prepared, all the scriptures and all the *pujaris, pandits*, scholars and learned ones who narrate the scriptures spoil the intellect or will they make the intellect mature? (Another student: Baba, he did not tally (compare) those topics [with the knowledge] at all. Had he compared them, he wouldn't have asked you at all. You have already given the knowledge [but] he didn't compare them at all.) Yes, yes, he went to the *pujari*. ☺

समयः 48.06-48.42
जिज्ञासुः बाबा, लक्ष्मी जी को कमल पे बिठाया है। कमल पे बिठाते हैं लक्ष्मीजी को। ऐसा क्यों?
बाबाः माना कमल का फूल गृहस्थी जीवन की निशानी है या नहीं है? (जिज्ञासु - है।) तो जब गृहस्थी जीवन की निशानी है, गृहस्थी जीवन जो है वो कीचड़ में रहते हुए भी कमल फूल समान जीवन का सूचक है। इसलिए महालक्ष्मी को कमल फूल के ऊपर बैठाया हुआ दिखाते हैं।

Time: 48.06-48.42

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: Baba, Lakshmiji is shown sitting on a lotus. Lakshmiji is seated on a lotus. Why is it so?
Baba: It means… is the lotus flower a symbol of the household life or not? (Student: It is.) So, it is a symbol of the household life. The household life is the symbol of the lotus like life while living in mire. That is why Mahalakshmi[24] is shown to be sitting on a lotus flower.

समयः 48.44-50.00

जिज्ञासुः बाबा, पुरुषों को दुर्योधन-दुःशासन कहते हैं। कहते है कि राजाएं कई रानियाँ रखते थे। परन्तु द्रौपदी के तो पाँच-पाँच पति थे। उसको क्या कहेंगे?

बाबाः जो द्रौपदी नाम है वो कहाँ का नाम है? संगमयुग का नाम है या द्वापरयुग का नाम है? वो संगम का नाम है। संगम में जब बाप आते हैं, जो ब्रह्माकुमारियाँ हैं उनकी परवरिश का ठेका एक व्यक्ति नहीं उठाता। उनको एक स्थान से दूसरे स्थान में ट्रांसफर किया जाता है। तो कोई न कोई मुख्य भाई आश्रम का ठेका उठाता है परवरिश का। पति कहा जाता है पाति (को)। रक्षा करने वाला। तो उनकी प्यूरिटी को जो रक्षा करता है वो ही पति कहा जाता है। पाँच आश्रम अगर बदले तो कितने पति हो गए? (जिज्ञासु - पाँच।) पाँच पति हो गए। उन्होंने, विकारी बुद्धियों ने उसको विकारी अर्थों में लगा लिया।

Time: 48.44-50.00
Student: Baba, men are called Duryodhan and Dushasan. It is said that kings used to have many queens. But Draupadi had five husbands. What will she be called?
Baba: The name Draupadi pertains to which time? Is it a name of the Confluence Age or of the Copper Age? That is a name of the Confluence Age. When the Father comes in the Confluence Age, the contract of sustenance of the Brahmakumaris is not taken up by [just] one person. They are transferred from one place to another. So, some main brother takes up the contract of the ashram's sustenance. *Pati* (husband) means *paati* [meaning] the one who protects. So, the one who protects their *purity* himself is called *pati*. If they change five ashrams, how many husbands do they have? (Student: Five.) They have five husbands. They, the ones with vicious intellect interpreted a vicious meaning of it.

समयः 50.05-50.44

जिज्ञासुः बाबा, तुलसी को गंदी जगह पे क्यों दिखाते हैं?

बाबाः तुलसी को गंदी जगह पे दिखाते हैं? तुलसी को गंदी जगह पे दिखाते हैं? (जिज्ञासु - हाँ।) धत्त। (जिज्ञासु - दिखाते हैं।) तुलसी जहाँ गंदी जगह में लगाई जाएगी, टट्टी-पेशाब जहाँ होता होगा, वहाँ वो पनपेगी नहीं। गंद की हवा भी अगर लग जाए तो भी तुलसी का पौधा खतम हो जाता है।

Time: 50.05-50.44
Student: Baba, why is Tulsi[25] shown at dirty places?

[24] Goddess of wealth
[25] The sacred basil plant

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: Is Tulsi shown at dirty places? Is Tulsi shown at dirty places? (Student: Yes.) Cut it out! (Student: It is shown.) If Tulsi is planted at dirty places, where people defecate and urinate, it will not at all grow there. Even if bad air blows around the Tulsi plant, it perishes.

समयः 50.45-54.25

जिज्ञासुः बाबा, पण्डित लोग जनेऊ पहनते हैं। ये क्यों पहनते हैं?

बाबाः जो भी भक्तिमार्ग में होता है वो यादगार कहाँ की है? संगमयुग की। संगमयुग में जो भी बाबा का ज्ञान लेने वाले हैं वो सब पण्डित, ब्राह्मण हैं या नहीं हैं? ब्राह्मण हैं। वो ब्राह्मण तीन सूत्रों को हद में धारण करते हैं या तीन सूत्रों को बेहद में धारण करते हैं? (सभी ने कहा - बेहद।) वो बेहद में तीन सूत्र कौनसे हैं? ब्रह्मा का ज्ञान, विष्णु का ज्ञान और शंकर का ज्ञान बुद्धि में रहता है। उसको अपने जीवन में कंधे पर धारण करते हैं। माने उन तीनों मूर्तियों के ज्ञान को कंधे पर धारण करना माना उसकी जिम्मेवारी उठाना कि हम तीन मूर्तियों को, त्रिमूर्ति शिव को दुनिया के सामने प्रत्यक्ष करके दिखाएंगे। ये है कंधे पर जनेऊ धारण करना। उन्होंने तीन सूत्र स्थूल रूप में धारण कर लिए, जिनकी गांठ ऊपर बंधती है। उसे कहते हैं ब्रह्म फांस। ब्रह्म को भगवान समझते हैं। वास्तव में है किसकी बात? एक शिव ही ब्रह्म है। जो ब्रह्मा के तन में आता है। चाहे प्रजापिता ब्रह्मा हो, चाहे कोई दूसरा ब्रह्मा हो। और तीनों सूत्रों का ज्ञान जिनकी बुद्धि में बैठता है वो ही द्विजन्मा ब्राह्मण माने जाते हैं।

Time: 50.45-54.25

Student: Baba, *pandits* wear *janeu* (the sacred thread). Why do they wear it?

Baba: Whatever happens in the path of *bhakti* is a memorial of which time? Of the Confluence Age. Are all those who obtain Baba's knowledge in the Confluence Age *pandits*, Brahmins or not? They are Brahmins. Do those Brahmins wear the three threads in the limited way or do they wear the three threads in the unlimited? (Students: In the unlimited.) Which are those three threads in the unlimited? Brahma's knowledge, Vishnu's knowledge and Shankar's knowledge remains in the intellect. They wear it on their shoulders in their lifetime. To wear the knowledge of the three personalities on the shoulders means to take up its responsibility [with the thought]: we will set an example by revealing these three personalities, *Trimurty* Shiva in front of the world. This is to wear the *janueu* on the shoulder. They wore the three threads in a physical form; they are tied together above to make a knot. That is called *Brahm faans*. They consider *Brahm* to be God. Whose topic is it in reality? Shiva alone is *Brahm* who comes in the body of Brahma; whether it is Prajapita Brahma or any other Brahma. And only those in whose intellect the knowledge of all the three threads (personalities) sits are considered to be twice born (*dwijanma*) Brahmins.

पहला जन्म है बेसिक में। क्या? ब्राह्मणों का जन्म दो होता है ना। एक जन्म है स्थूल जन्म, बच्चा बुद्धि। वो बेसिक का ज्ञान बच्चाबुद्धियों का है या सालिम बुद्धियों का है? बच्चा बुद्धियों का ज्ञान, बेसिक ज्ञान। और जो एडवांस ज्ञान मिलता है जैसे कि जनेऊ धारण कर लिया, यज्ञोपवीत हो गया, तीन सूत्रों का ज्ञान बुद्धि में धारण कर लिया। संसार में ये प्रत्यक्षता करने के लिए ये तीन सूत्रों को निर्वहन करने वाली मूल मूर्तियाँ कौन हैं उनको प्रत्यक्ष करना है

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

संसार में। जनेऊ के तीन धागे डालते हैं। टट्टी-पेशाब करने जाते हैं तो क्या करते हैं? (जिज्ञासु - कान में।) कान में लगा लेते हैं। इसका क्या मतलब हुआ? कि तीनों मूर्तियों का जो ज्ञान है, जब कोई ऐसा वैसा काम करते हैं, क्योंकि कर्मेन्द्रियाँ हैं, कर्म के बिगर नहीं रह सकती। कर्मेन्द्रियों की भूख, कर्मेन्द्रियों को चलायमान कर ही देती है। तो उस समय वो तीन सूत्र का ज्ञान श्रुति में धारण करके रहना चाहिए। ऐसे नहीं कि वो भूल जाए। इसलिए कान में अटकाते हैं।

The first birth is in the basic [knowledge]. What? Brahmins have two births, don't they? One is the physical birth, [when they have] a child like intellect. Is that basic knowledge for those with child like intellect or those with a mature intellect? The knowledge for those with child like intellect is the basic knowledge. And when you get the advance knowledge, then it is like you wore the *janeu*, you became *yagyopavit* (the one who wears the sacred Brahmin thread). You assimilated the knowledge of the three threads in the intellect in order to reveal the three main personalities who represent these three threads in the world. Three threads of the *janeu* are worn; so, when people defecate or urinate, what do they do? (Student: On the ear.) They wind it around the ear. What does it mean? When someone performs a disgraceful task, then the knowledge of the three personalities - because, the *karmendriyaan*[26] cannot resist performing actions; the desire of the *karmendriyaan* does make the *karmendriyaan* inconstant - so, at that time the knowledge of the three threads should be in the ears. You shouldn't forget that. This is why it is worn on the ear.

समयः 54.28-55.42

जिज्ञासुः दोहा आया है - लंका में लंकिनी ये बोली - जब राम ने ही ब्रह्म वर दीन्हा,..ये कब हुआ?

बाबाः वो भाई क्या कह रहा है?

दूसरा जिज्ञासुः शायद वो भाई ने टैली नहीं किया है इसलिए पूछ रहे हैं। ☺

बाबाः वो भाई कह रहा है आपने टैली नहीं किया है इसलिए पूछ रहे है। अगर टैली किया है तो बताओ। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) बताओ-बताओ। अरे! इसका मतलब टैली नहीं किया आपने। उंगली उठाने में दोनों बड़े उस्ताद हो। ☺

तीसरा जिज्ञासुः द्वापरयुग की शूटिंग में दोनों राजायें लड़ेंगे आपस में।

बाबाः हाँ।

Time: 54.28-55.42

Student: There is a *doha* (couplet) - *Lankini* said in Lanka - *Jab Ram ne hii Brahm var deenhaa*… When will this happen?

Baba: What is that brother saying?

Second student: Probably, that brother has not compared [what he is saying with the knowledge]. This is why he is asking. ☺

Baba: The brother is telling that you have not compared [that couplet with knowledge] that is why you are asking [about it]. Tell us [the meaning] if you have compared it. (Student said

[26] Parts of the body used to perform actions

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

something.) Tell, tell. *Arey*! It means, you have not compared it. Both are experts in raising their fingers [at each other]. ☺
Third student: Both the kings will fight in the shooting of the Copper Age.
Baba: Yes.

समयः 55.46-57.02

जिज्ञासु: बाबा, घर में एक आत्मा ज्ञान में चले और बाकी कोई न चले तो झगड़ा होता है।

बाबाः झगड़ा करना ही नहीं है। झगड़ा करने वाले बाप के बच्चे हैं या नहीं हैं? जो झगड़ा करे, मुँहचावर करे वो बाप के बच्चे ही नहीं। सिर्फ मुख से ही नहीं, संकल्पों में भी झगड़ा न करें क्योंकि जानते हैं ये तो अज्ञानी हैं। ये जो अज्ञानी लोग हैं वो विरोध करेंगे या नहीं करेंगे? वो तो करेंगे ही विरोध। इसलिए एक कान से सुनो, दूसरे से निकाल दो। चुप रहो। दूसरा कोई तरीका नहीं है। बाबा ने हमको हमारे परिवार में से अकेला निकाला है। पावरफुल आत्मा समझ करके निकाला है या कमजोर आत्मा समझ करके निकाला है? (सभी ने कहा - पावरफुल समझ करके।) अपने को पावरफुल आत्मा समझना चाहिए। सहनशक्ति सब गुणों का राजा है। ये सहनशक्ति हमको धारण करनी है।

Time: 55.46-57.02
Student: Baba, if only one soul follows the knowledge and no one else follows it in a house, then quarrels take place.
Baba: You should not fight at all. Are those who fight the children of the Father or not? Those who fight, those who argue are not at all the Father's children. Not just through the mouth but they shouldn't fight in the thoughts either because they know that those ones are ignorant people. Will the ignorant people oppose or not? They will definitely oppose. This is why listen through one ear and leave it out through the other. Be silent. There is no other way. [Think that] Baba has chosen me alone in my family. Did He choose me considering me to be *powerful* soul or a weak soul? (Everyone said - By considering powerful.) You should consider yourself to be a *powerful* soul. Power of tolerance is the king of all the virtues. We have to inculcate this power of tolerance.

समयः 57.04-58.36

जिज्ञासुः बाबा वरुणा नदी जो निकलती है।

बाबाः क्या निकलती है?

जिज्ञासुः वरुणा नदी।

बाबाः वरुणा, हाँ।

जिज्ञासुः तो उसी क्षेत्र से आत्मा निकलनी चाहिए चैतन्य।

Time: 57.04-58.36
Student: Baba, river Varuna that emerges.
Baba: What emerges?
Student: River Varuna.
Baba: Varuna, yes.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Student: So, the living soul [representing river Varuna] should emerge from the same area.

बाबाः चैतन्य आत्मा उसी क्षेत्र से निकलनी चाहिए? और नहीं निकलनी चाहिए? पूरी वाराणसी से नहीं निकलना चाहिए? (जिज्ञासु - वहाँ से तो काशी नगरी है ना।) हाँ, वाराणसी काशी नगरी है। तो पूरी काशी नगरी से नहीं निकलना चाहिए? जहाँ वरुणा नदी है वहीं से निकलना चाहिए? काशी नगरी का मतलब ही है जिस नगरी में काश्य अर्थात् तेज भरा हुआ है। वो तो सारी नगरी में भरा हुआ है। हाँ, गंगा जो है वो तलवार का रूप तब धारण करती है जब वरुणा नदी से जाकर मिलती है। वहाँ से काशी नगरी की शुरुआत होती है। गंगा नदी आई और वरुणा नदी से मिली और तलवार का रूप धारण कर लिया। वो तलवार का रूप जो बना हुआ है वो सारी वाराणसी है। जहाँ से तलवार का टेढ़ापन शुरू होता है, तीखापन शुरू होता है, वहाँ वरुणा नदी है। काशी नगरी की शुरुआत वहाँ से होती है।

Baba: The living soul should emerge from the same area? Should it not emerge from any other area? Should it not emerge from the entire Varanasi? (Student: Kashi *nagari*[27] comes from there, doesn't she?) Yes, Varanasi is Kashi *nagari*. So, should she (the living soul representing river Varuna) not emerge from the entire Kashi *nagari*? Should she emerge only from the place where river Varuna flows? The very meaning of Kashi *nagari* is the city full of *kaashya*, meaning luster. The entire city is full of it (luster). Yes, [the river] Ganges takes on the form of a sword when it meets the river Varuna. The city of Kashi[28] begins from there. River Ganges comes, meets the river Varuna and takes on the form of a sword. The entire Varanasi is located around that form of sword. River Varuna is at the place where the bend of the sword begins, the sharpness begins. The city of Kashi begins from there.

समयः 58.40-01.00.40

जिज्ञासुः बाबा, कोई आत्मा भट्ठी कर लेती है और फिर विकार में जाती है...।

बाबाः धर्मराज के मार खाएंगे।

जिज्ञासुः इसका मतलब उस आत्मा का दोष है बाबा?

बाबाः अगर पोतामेल देती है तो एक बार माफ, दो बार माफ। बहुत में बहुत तीन बार माफ हो जाएगा। बाद में? बार-बार माफ होता रहेगा क्या?

जिज्ञासुः उसके साथ दूसरी आत्मा भी...।

बाबाः ये तो दूसरी आत्मा के निश्चय की बात है। अगर निश्चयबुद्धि है तो अपने को मुर्दा बना देगी। बाप की याद में उड़ जाएगी। जो बाप की याद में उड़ जाएगा तो उसकी बुद्धि ऊपर रहेगी, मन-बुद्धि ऊपर चली गई तो विकार का सुख भोगेगी या नहीं भोगेगी? नहीं भोगेगी। तो उसके ऊपर कोई पाप ही नहीं लगेगा। दूसरे के उकसाने से अगर उकस जाता है, दूसरे से कोई प्रभावित हो जाता है तो पाप लगेगा। प्रभावित ही नहीं हुआ तो राजा बनके रहेगा या प्रजा बन जाएगा? राजा बनके रहेगा। ये तो अंदरूनी ज्ञान है। मन को कोई रोक नहीं सकता। तन को

[27] *Nagari* means city
[28] Name of a city of Benaras (Varanasi)

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

कोई बांध लेगा, तन की इन्द्रियों की छेड़-छाड़ और बांधा-बूंधी कोई कर सकता है लेकिन मन को कोई बांध ही नहीं सकता। अंदर की दृढ़ता चाहिए।

Time: 58.40-01.00.40
Student: Baba, if a soul indulges in vices after doing the *bhatti*...
Baba: He will suffer the beatings of Dharmaraj (the Chief Justice).
Student: Baba, does it mean it is the mistake of that soul?
Baba: If she gives the *potamail*[29], she will be forgiven once. She will be forgiven twice. At the most, she will be forgiven thrice. [But] later on? Will she be forgiven again and again?
Student: Another soul with him…?
Baba: This is about the faith of another soul. If she has a faithful intellect, she will make herself a corpse (*murdaa*). She will fly in the remembrance of the Father. The intellect of the one who flies in the Father's remembrance will remain above; if the mind and intellect goes upwards, will it enjoy the pleasures of vices or not? It will not. So, she will not accumulate any sin at all. If someone gets excited on being excited by other person, if someone is influenced by the other person, he will accumulate sin. If he was not at all influenced, will he remain a king or will he become a subject (*prajaa*)? He will remain a king. This is the inner knowledge. Nobody can stop the mind. Someone may bind the body, someone can provoke the parts of the body (*indriyaan*) and bind them, but nobody can bind the mind at all. Firmness from within is required.

समयः 01.00.46-01.05.08
जिज्ञासुः बाबा, अभी जो 85 देशों के वैज्ञानिक लोग परीक्षण कर रहे थे । ब्रह्माण्ड का पता कर लिया है। तो उसका क्या है बाबा?
बाबाः क्या है? बाबा ने आपको बताया नहीं है क्या? फिर बार-बार क्यों पूछ रहे हो? बाबा ने आपको नहीं बताया कि ब्रह्माण्ड में कुछ है ही नहीं? ये सिर्फ पृथ्वी पर ही जीवन है। पृथ्वी के अलावा और कोई ग्रह-उपग्रह पर कोई जीवन नहीं है। नहीं बताया? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) तो? जीवन तो नहीं है। (जिज्ञासुः पूरे ब्रह्माण्ड को मुट्ठी में करने जा रहे है।) कौन? (जिज्ञासुः 85 देशों के वैज्ञानिक।) हाँ। तो तुम्हें विश्वास हो रहा है? (जिज्ञासुः चल रहा है ना बाबा।) चल रहा है। चाहे कुछ भी चलाएं, चाहे कुछ भी झूठ बोलें। दुनिया झूठी है। झूठी दुनिया झूठा बोलती है। तो हमें क्या विश्वास कर लेना चाहिए - ये ही भगवान है? हमारे भगवान बदलते रहते हैं क्या? (जिज्ञासुः बाबा, अभी लास्ट में खोज करना शुरू की है।) क्या? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) क्या किया है? (दूसरा जिज्ञासुः लास्ट में खोज शुरू की है।) काहे की? (दूसरा जिज्ञासुः ब्रह्माण्ड की।) अच्छा? क्या मिला? शोध करने से मिला क्या? फायदा क्या हुआ? (जिज्ञासुः परीक्षण अगर निष्फल हो जाता तो एक सेकंड में पूरे धरती, आकाश और ये जो चांद, तारे है, सब लुप्त हो जाते।) अच्छा? (जिज्ञासुः अगर परीक्षण सफल होता है तो मानव के लिए अच्छी-2...) तो हुआ कुछ? फायदा हुआ? फायदा कुछ नहीं हुआ? तो काहे के लिए माथा खराब

[29] A letter to Baba containing the account of the secrets and weaknesses of one's body, mind and wealth.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

करते हो? एक कान से सुनो दूसरे कान से निकाल दो। (जिज्ञासु: बाबा, पेपर में रोज आ रहा है कि...।)

Time: 01.00.46-01.05.08
Student: Baba, the scientists of 85 countries were performing some experiment. They have found the secret of the universe. So Baba, what is it?
Baba: What is it? Hasn't Baba told you [about it]? Then why do you ask again and again? Didn't Baba tell you that there is nothing (no life) at all in the Universe? There is life only on this earth. There is no life on any other planet or satellite except the earth. Didn't He tell you [this]? (Student said something.) So what? There is no life, is there? (Student: They are going to take the entire universe in their hands.) Who? (Student: The scientists of the 85 countries.) Yes, so do you believe them? (Student: Baba, it is going on.) It is going on. They may do whatever they want, they may speak any lie. The world is false. The false world speaks lies. So, should we believe that they themselves are God? Do our Gods keep changing? (Student: Baba, they have started the research now, at the end.) What? (Student said something.) What have they done? (Another student: They have started the research in the last time.) Of what? (Another student: Of the Universe.) *Acchaa*? What did they get? What did they get from the research? What was the benefit? (Student: Had the experiment failed, the earth, sky, the moon, stars and everything would have vanished.) *Acchaa*? (Student: If the experiment is successful, then good… for human beings…) So, did anything happen? Were you benefited? You weren't benefited? So, why do you spoil your head? Listen through one ear and leave it out through the other. (Student: Baba, it is being published in the newspapers daily that ….)

पेपर में तो अच्छी और बुरी दोनों तरह की बातें आती हैं या सिर्फ अच्छी ही अच्छी आती हैं? (सभी ने कहा: दोनों तरह की आती है।) फिर काहे के लिए धारण करना है? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) अरे ये किसने कनफर्म किया है? (जिज्ञासु: बड़े-2 ज्योतिष बैठे हुए है...) तुमने कैसे मान लिया ये बड़े-बड़े हैं? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हँ? ये कैसे जान लिया कि ये निर्विकारी हैं? वो बड़े-बड़े ज्योतिषी विकारी हैं, कामी, क्रोधी, लोभी, मोही हैं या निर्विकारी हैं? (किसी ने कहा: विकारी है।) हाँ, तो फिर निर्विकारी नहीं हैं, सब विकारी हैं, तो फिर बुद्धि कैसी हुई? विकारी बुद्धि। विकारी बुद्धि जो कुछ भी निकालेगी वो झूठी बातें निकालेंगी या सच्ची बातें निकालेगी? और तुमको तो शिवबाबा कैसा मिला है? शिवबाबा तो निर्विकारी है। शिव तो आता ही है निर्विकारी धाम से। वो तो कभी विकारी बनता भी नहीं। तो ऐसे को छोड़करके इधर-उधर की बातों में, गलियों में क्यों भटकना चाहिए? (जिज्ञासु: बाबा, हम वैसे ही सोचे कि ऐसा न हो कि ये कही कामयाबी प्राप्त कर ले तो... ।) अच्छा तो हम रह जाएं? ये लोग कामयाबी प्राप्त कर लें और हम इस ईश्वरीय ज्ञान में ही मस्त रह जाएं? ☺ (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) भटकते रहो ऐसे ही फिर। कल को कोई और नया निकल पड़ेगा, नई बात बोल देगा तुम्हें, वहाँ भटक जाना।

Are good and bad, both kinds of topics published in the newspapers or only good topics are published? (Student: Both kinds of [topics] are published.) Then why should you grasp [them]? (Student said something.) *Arey*, who confirmed it? (Student: There are big astrologers…) How did you believe that they are big? (Student said something.) How did you know that they

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

are the ones without vices? Are those big astrologers vicious, lustful, wrathful, the ones with attachment or are they vice less? (Someone said: They are vicious.) Yes, so, if they are not vice less, when everyone is vicious, how is their intellect? Their intellect is vicious. Will a vicious intellect evaluate false topics or will it evaluate true topics? And how is Shivbaba, whom you have found? Shivbaba is certainly without vices. In fact, Shiva comes only from the incorporeal Abode. He never becomes vicious. So, why should you leave that One and wander in various talks [meaning] wander in the lanes? (Student: Baba, I simply thought, it should not happen that they become successful and…) *Acchaa*, and we will be left behind? They achieve success and we will be left behind [because of remaining] busy in this Godly knowledge! ☺ (Student said something.) Then, keep on wandering like this. If someone new emerges tomorrow, if he tells you something new, get diverted towards it.

समयः 01.04.52-01.05.35

जिज्ञासुः बाबा एक मुरली का प्वाइंट आया है - कई बच्चे बोर्ड लगाने से डरते हैं। (बाबाः हाँ।) बोर्ड तो सबके घर में रहता ही है। (बाबाः हाँ, जी।) तुम सर्जन के बच्चे हो ना। (बाबाः हाँ।) तुमको हेल्थ, वेल्थ, हैपीनेस, सब मिलती है। तो तुम फिर औरों को दो। (बाबाः हाँ, जी।) दे सकते हो तो क्यों नहीं बोर्ड पर लिख देते?

बाबाः बिल्कुल लगाना चाहिए।

जिज्ञासुः बोर्ड पर लिखना क्या है?

बाबाः हाँ। बोर्ड पर यही लिखो - हेल्थ, वेल्थ, हैपीनेस, तीनों यहाँ मिलती है। आओ। ☺

Time: 01.04.52-01.05.35
Student: Baba, there is a murli point: Many children fear to put up the board. (Baba: Yes.) There are boards in everybody's home. (Baba: Yes.) You are the children of the Surgeon, aren't you? (Baba: Yes.) You get health, wealth, happiness and everything. So, give it to others. (Baba: Yes.) If you can, why don't you write it on the board?
Baba: You should definitely display [this].
Student: What should be written on the board?
Baba: Yes. Write this on the board: You can get *health*, *wealth* as well as *happiness* here. Come. ☺

समयः 01.05.49-01.06.22

जिज्ञासुः घर में कोई ज्ञान में नहीं चलते। तो खाना-पीना को अगर छू-छा लें तो वो अपवित्र हो जाएगा?

बाबाः छूने से कोई (अपवित्र नहीं होता)। तुम छू दो, अच्छा हो जाएगा। वो खाना-पीना छू लेते हैं, वो तो दुनियावी याद में हैं। देहधारियों की याद में वो छू लेते हैं। तुम शिवबाबा की याद में क्या करो? छू दो। शुद्ध हो जाएगा।

Time: 01.05.49-01.06.22
Student: Nobody follows the knowledge at home. So, if they touch the food, then will it become impure?

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

Baba: [It doesn't become impure] by touching. You, touch it. It will become pure. If they touch [your] food, they are in remembrance of the world. They touch it in the remembrance of bodily beings. What should you do in Shivbaba's remembrance? Touch it. It will become pure.

समयः 01.06.15-01.08.06

जिज्ञासुः बोला है राष्ट्रपति पद मिले तो भी थूक मारना है । तो इसका बेहद में क्या अर्थ है?

बाबाः बेहद में क्या अर्थ है? कोई हमें राष्ट्रपति पद दे कि तुम राष्ट्रपति पद ले लो तो राष्ट्रपति पद लेने से जिम्मेवारियाँ दुनिया की बढ़ जाएंगी या घट जाएंगी? (सभी ने कहा - बढ़ जाएंगी।) बढ़ जाएंगी। फिर ज्ञान बुद्धि में रह जाएगा या घट जाएगा? (सभी ने कहा - घट जाएगा।) ज्ञान तो गया। खतम हो गया। इसलिए बोला तुमको राष्ट्रपति का पद भी मिल जाए तो भी तुम थूक मारेंगे। अगर ज्ञान में चलने वाले कोई पार्षद के चुनाव में खड़े हो जाते हैं या चेयरमैन के चुनाव में खड़े हो जाते हैं या एम.एल.ए, एम.पी बनने के चुनाव में खड़े हो जाते है तो उनको बाबा की वाणी का आदर करने वाला कहेंगे या निरादर करने वाला कहेंगे? (सबने कहा: निरादर।) अरे बाबा ने तो बोला ये तो छोटे-छोटे पद हैं। तुम्हें राष्ट्रपति का पद भी अगर कोई दे दे तो भी तुम उसे थूक मारेंगे। धत्। अरे हमको डेढ़ सौ साल के लिए विश्व की बादशाही मिल रही है। ढ़ाई हज़ार साल के लिए हम निराधार बन रहे हैं। राष्ट्रपति तो आधीन होता है। रबड़ स्टैम्प कहा जाता है। ये कोई राजाई है?

Time: 01.06.15-01.08.06

Student: It has been said that: even if you are offered the post of the President, you should reject it[30]. What is its meaning in the unlimited?

Baba: What is its meaning in the unlimited? If someone offers us the post of President [saying:] please, accept this post of President, then will your responsibilities towards the world increase or decrease by accepting the post of President? (Students: They will increase.) They will increase. Then will the knowledge remain in the intellect or will it decrease? (Students: It will decrease.) The knowledge will vanish. It will end. This is why it was said that even if you are offered the post of President, you will reject it. If those who follow the knowledge stand for the elections of a councilor or stand for the elections of a *chairman*, or if they stand for the elections to become M.L.A. (Member of Legislative Assembly) or M.P. (Member of Parliament), will they be called the ones who respect Baba's vani (words) or will they be called the ones who disrespect it? (Students: [The ones who] disrespect.] *Arey*, Baba has said, these are small posts. Even if someone offers you the post of President, you will reject it. Cut it out! *Arey*, we are getting emperorship of the world for one hundred and fifty years. We are becoming independent for 2500 years. A President is dependent. He is called a *rubber stamp*. Is this any kingship?

समयः 01.08.09-01.09.14

जिज्ञासुः बाबा, जो भाई लोग कर्जा लेकरके ईश्वरीय सेवा करते हैं क्या ये श्रीमत के अनुकूल है?

[30] *Thuuk maarnaa*: lit. means, to spit on [something].

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

बाबाः कर्जा लेने के लिए ही ज्ञान में मना कर दिया है। कर्ज मर्ज कहा जाता है। भीख मांग करके कर्जा लेना ये मांगना है या नहीं? तो जो भीख मांग करके भक्ति करेंगे वो अच्छी बात है क्या? अरे हम अपनी खुद कमाई करें और खुदकी राजधानी स्थापन करें। कर्जा लेने की बात ही नहीं। जिसके पास दस रुपया है वो दस रुपया लगाएगा। जिसके पास दस लाख हैं वो दस लाख लगाएगा ईश्वरीय सेवा में। तो दोनों का बराबर हिस्सा बनेगा या कम जास्ती बनेगा? (जिज्ञासु - बराबर।) बराबर बन जाएगा। इसमें लोन लेने की क्या बात है?

Time: 01.08.09-01.09.14
Student: Baba, the brothers who do service of God by taking loans, is it in accordance to shrimat?
Baba: In the knowledge, you have been forbidden to take loans. [Taking] loan (*karj*) is called a disease (*marj*). To take loan by begging, is this seeking [something] or not? So, is it good if someone does *bhakti* by seeking alms? *Arey,* we should earn our own income and establish our capital. There is no question of seeking loan at all. The one who has ten rupees will invest ten rupees. The one who has ten lakh will invest ten lakh in the service of God. So, will both of them be equal [in investing money] or will they be unequal? (Student: Equal.) They will be equal. Where is the necessity to seek loan in this?

समयः 01.09.14-01.11.24
जिज्ञासुः बाबा, माताएं कोई कमाई नहीं करतीं, घर में रहतीं। और बाबा की सेवा में लगाना चाहें तो पति तो नहीं देना चाहते। चोरी करके उसी में से लगाएं तो?
बाबाः माताएं, माताएं जो हैं, माताएं जो हैं जिस परिवार की पालना कर रही हैं उस परिवार का जो मुखिया है उसकी अर्धांगिनी है या नहीं? (जिज्ञासु - अर्धांगिनी तो है।) अर्धांगिनी है। अब मुखिया उनका आधा हिस्सा नहीं देना चाहता। है ना? तो कोई बात नहीं। अपना हिस्सा, मकान में किसी का आधा हिस्सा है। दूसरा दबंग पड़ता है। वो नहीं देना चाहता। सारा हिस्सा हड़प करना चाहता है। तो वो चाहे तो आधा हिस्सा किसी को बेच सकता है कि नहीं? ये पाप होगा या पुण्य होगा? पाप तो नहीं होगा। तो ऐसे ही... ☺ (जिज्ञासुः हम तो चोरी की तो पाप तो नहीं बाबा।) चोरी किसको कहा जाता है? अपनी चीज़ लेना चोरी है या पराई चीज़ लेना चोरी है? (सभी ने कहा - पराई।) पराई चीज़ लेना चोरी है। जिस चीज़ का हमारा हिस्सा है उसको लेना कोई चोरी थोड़े ही है। बाकी परिवार में झगड़ा न हो इसलिए इस युक्ति से लेना है जो सांप मरे न लाठी टूटे।

Time: 01.09.14-01.11.24
Student: Baba, mothers do not earn income. They live at home. And if they want to invest [money] in Baba's service... But the husbands don't want to give [money]. What if they steal [the money] and invest it [in God's service]?
Baba: Are the mothers half partners (*ardhaangini*) of the head of the family she is taking care of or not? (Student: They are indeed half partners.) They are half partners. Now, the head [of the family] does not want to give them their half share. It is so, isn't it? It doesn't matter. Our share… if someone has half a share in [the property of] a house. The other person bullies. He does not want to give it. He wants to gobble the entire share. So, if he wishes, can he sell that

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info

half share to someone or not? Will this be a sin or a noble act (*punya*)? It will certainly not be a sin. So, similarly…☺ (Student: Baba, if I steal, it is not a sin, is it?) What is called stealing? Is taking one's own thing called stealing or is taking someone else's thing called stealing? (Students: Someone else's.) To take someone else's thing is called stealing. To take something which is in our share is not stealing. However, in order to avoid quarrels in the family, you should take it so tactfully that the snake is killed but the stick doesn't break.

समयः 01.11.30-01.12.04

जिज्ञासुः बाबा, कोई कन्या सरेन्डर हो गई है। और उनके रिश्ते वाले भट्ठी नहीं करना चाहे, ऐसे ही मिलना चाहे तो मिल सकते हैं?

बाबाः एक दिन के लिए मिलने की छूट है।

दूसरा जिज्ञासुः बाबा, उनकी इच्छा है कि भट्ठी करके मिले।

बाबाः ये तो आपका काम है। आप उन्हें सुनाइये। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हाँ, जी।

Time: 01.11.30-01.12.04
Student: Baba, a virgin has surrendered and her relative want to meet her without doing *bhatti*. Can they meet?
Baba: They are allowed to meet for one day.
Another student: Baba, they wish to do *bhatti* and then meet [the virgin].
Baba: This is your task. Narrate [the knowledge] to them. (Student said something.) Yes.

समयः 01.12.05-01.12.40

जिज्ञासुः बाबा, बीके भाई को ज्ञान सुनाया। बीके वालों को ज्ञान सुनाया। सुनाने के बाद वो कहते हैं कि हमें सीडी दे दो, हम मुरली सुनेंगे बाबा के हाथ की । तो सीडी देना चाहिए (या) नहीं देना चाहिए?

बाबाः जो जनरल कैसेट्स हैं, जनरल पब्लिक की वो जनरल पब्लिक की 20-25 कैसटें हैं वो देते जाओ। वो तो ब्रह्माकुमार हैं, कोई दुनियावी जनरल आदमी को भी दोगे तो उसका भी कल्याण होगा।

Time: 01.12.05-01.12.40
Student: Baba, I narrated knowledge to a BK brother. I narrated knowledge to the BKs. After I finished narrating, they said: Give us the CD, we will listen to the murli narrated by Baba. So, should we give CD or not?
Baba: There are 20-25 *general cassettes* meant for the *general public*; give those cassettes one by one. They are Brahmakumars; even if you give those cassettes to the worldly *general* people, they will also be benefited.

Email id: a1spiritual1@gmail.com
Website: www.pbks.info